संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
गुरुवार
30 अक्तूबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 126
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

भाजपा सरकार की बेहतर खेल नीतियों के कारण खेलों में नंबर-1 है हरियाणा : पंडित मोहन लाल बड़ौली

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक 3 नवंबर को, विकास से जुड़े कई मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार के मंत्रिमंडल की अगली बैठक 3 नवंबर को सुबह 11 बजे होगी। यह जानकारी राज्य सरकार की तरफ से जारी अधिसूचना में दी गई है। यह अधिसूचना सामान्य प्रशासन विभाग के मंत्रिमंडल अनुभाग की तरफ से जारी की गई है। अधिसूचना के मुताबिक, यह बैठक हरियाणा सिविल सचिवालय के चौथे तल पर स्थित मुख्य सभा कक्ष में आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी खुद इसकी अध्यक्षता करेंगे। अधिसूचना पर मंत्रिमंडल के सचिव अनुराग रस्तोगी के हस्ताक्षर हैं। इसमें बैठक की सूचना सभी संबंधित लोगों को भेजी गई है। मुख्यमंत्री, सभी मंत्री और राज्य मंत्री, राज्यपाल के सचिव, सभी प्रशासकीय सचिव, विधि परामर्शी, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक और पुलिस महानिरीक्षक (सीआईडी) को यह नोटिस भेजा गया है। सूचना भेजने की जिम्मेदारी मंत्रिमंडल अनुभाग के अधीक्षक विपिन कुमार को दी गई है। उन्होंने सभी को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देश दिए हैं। प्रतिलिपि उप-सचिव (सामान्य), अधीक्षक प्रोटोकॉल, प्रशासकीय अधिकारी और कैंटीन सुपरवाइजर को भी भेजी गई है।

हालांकि अधिसूचना में बैठक के एजेंडे का कोई जिक्र नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। इनमें विकास परियोजनाएं, बजट तैयारी, कानून-व्यवस्था और आगामी त्योहारों की सुरक्षा व्यवस्था शामिल हो सकती है। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के बाद बनी नायब सैनी सरकार अपनी नीतियों को तेजी से लागू करने में जुटी है।

मंत्रिमंडल की यह बैठक राज्य के विकास और प्रशासनिक फैसलों के लिए अहम मानी जा रही है। वहीं, सूत्रों का कहना है कि बैठक में किसानों, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे जनहित के मुद्दों पर भी विचार हो सकता है। सरकार जनता से मिले जनादेश को पूरा करने के लिए कदम उठा रही है।

ट्रंप का बड़ा दावा: भारत-पाकिस्तान संघर्ष में गिराए गए थे सात नए विमान

तोक्यो - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच हुए हालिया सैन्य संघर्ष को लेकर सनसनीखेज बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उस दौरान 'सात ब्रांड न्यू खूबसूरत विमान' गिरा दिए गए थे। हालांकि ट्रंप ने यह नहीं बताया कि वे विमान किस देश के थे।

तोक्यो में कारोबारी समुदाय के साथ रात्रिभोज के दौरान ट्रंप ने कहा, 'सात विमान गिरा दिए गए थे, सात ब्रांड न्यू, खूबसूरत विमान। वे दो बड़ी परमाणु शक्तियां आपस में भिड़ रही थीं।' उन्होंने दावा किया कि उन्होंने दोनों देशों के बीच युद्ध को रोकने में निर्णायक भूमिका निभाई।

ट्रंप ने कहा, 'मैंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा, मैंने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल से कहा कि अगर आप दोनों लड़ते रहेंगे तो हम कोई व्यापार नहीं करेंगे।' उनके मुताबिक, दोनों देशों ने यह तर्क दिया कि युद्ध का अमेरिका के साथ व्यापार से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन उन्होंने जवाब दिया कि ''इसका बहुत गहरा संबंध है।''

ट्रंप ने आगे कहा, 'मैंने कहा कि अगर आप लोग लड़ेंगे तो हम कोई सौदा नहीं करेंगे। और लगभग 24 घंटे के भीतर संघर्ष खत्म हो गया। यह वाकई अद्भुत था।'

उन्होंने दोहराया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम उनकी मध्यस्थता से संभव हुआ। दरअसल, 10 मई को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि दोनों देशों ने ''पूर्ण और तत्काल'' संघर्षविराम पर सहमति जताई है, जो वाशिंगटन की मध्यस्थता में देर रात तक चली वार्ता के बाद हुआ।

हालांकि, भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि संघर्षविराम पर सहमति दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच प्रत्यक्ष बातचीत से बनी थी, न कि किसी तीसरे देश की मध्यस्थता से।

भारत ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। यह कार्रवाई पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। चार दिन तक चले ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद 10 मई को संघर्ष समाप्त हुआ।

सूर्यकुमार की चमक पर छा गए बादल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बारिश की भेंट चढ़ा पहला टी20 मैच

कैनबरा- भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव कुछ शानदार शॉट के साथ लय में वापसी करते दिखे, लेकिन खराब मौसम और बारिश के कारण बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच रद्द करना पड़ा।

बारिश के कारण 9.4 ओवर के खेल के बाद जब दूसरी बार खेल रोका गया तब सूर्यकुमार 24 गेंद में 39 रन बनाकर नाबाद थे। उन्होंने शानदार लय में चल रहे उपकप्तान शुभमन गिल (20 गेंदों पर नाबाद 37) के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंद में 62 रन की साझेदारी के साथ बड़े स्कोर की नींव तैयार कर दी थी। भारत ने खेल रोको जाने से पहले एक विकेट पर 97 रन बना लिए थे।

भारतीय कप्तान ने कई आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन बारिश के कारण वह और गिल अर्धशतक पूरा करने से दूर रह गए। इस साल 110 से कम स्ट्राइक रेट से महज 100 रन बनाने वाले सूर्यकुमार ने जोश हेजलवुड की गेंद को अपने चिर-परिचित अंदाज में स्क्वायर लेग के ऊपर से छह रनों के लिए भेज कर यह दिखाया कि वह लंबे समय तक इस प्रारूप के शीर्ष बल्लेबाज क्यों रहे हैं।

मनुका ओवल की पिच से गेंद को अच्छी उछाल रही थी। सूर्यकुमार ने इसका फायदा उठाते हुए नाथन एलिस के खिलाफ 10वें ओवर की शुरुआती दो गेंदों पर चौका जड़ा और फिर तीसरी गेंद को दर्शकों के दर्शन कराए। इसके एक गेंद बाद ही हालांकि बारिश फिर से शुरू हो गई और मैच को रोकना पड़ा। गिल ने दूसरे छोर से आक्रमण और धैर्य का शानदार मिश्रण दिखाया। उन्होंने वामहस्त स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन के खिलाफ काऊ कॉर्नर (डीप मिडविकेट और लांग लेग के बीच में) पर दर्शनीय छक्का जड़ा।

गिल ने इस छक्के के अलावा चार दिलकश चौके भी जड़े। इससे पहले 4.4 ओवर के बाद भी बारिश के कारण खेल को रोकना पड़ा था। बारिश के पहले व्यवधान के बाद जब खेल दोबारा शुरू हुआ तो मैच को 18 ओवर प्रति टीम कर दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया था, जिसके बाद अभिषेक शर्मा (14 गेंद में 19 रन) ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। एलिस ने हालांकि उन्हें खतरनाक होने से पहले ही चलता कर टीम को पहली सफलता दिलाई।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राफेल से भरी ऐतिहासिक उड़ान, अम्बाला वायुसेना स्टेशन बना गौरव का प्रतीक

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। देश की सर्वोच्च सेनापति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को हरियाणा के अंबाला वायुसेना स्टेशन से अत्याधुनिक राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरकर इतिहास रच दिया। यह पहली बार है जब भारत की कोई महिला राष्ट्रपति इस बहुचर्चित फ्रांसीसी विमान में सवार हुई हैं।

इस ऐतिहासिक अवसर पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह सहित कई शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रपति मुर्मू ने भारतीय वायुसेना की उस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया है, जिसके तहत देश के राष्ट्रपति समय-समय पर वायुसेना की संचालन क्षमता और मनोबल का प्रत्यक्ष अनुभव करते रहे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू इससे पहले अप्रैल 2023 में असम के तेजपुर वायुसेना स्टेशन से सुखोई-30 एमकेआई विमान में उड़ान भर चुकी हैं। वह ऐसा करने वाली देश की तीसरी राष्ट्रपति हैं। उनसे पहले ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने 2006 में और प्रतिभा पाटिल ने 2009 में सुखोई विमान से उड़ान भरी थी।

फ्रांसीसी कंपनी दसॉ एविएशन द्वारा निर्मित राफेल विमान को सितंबर 2020 में अंबाला एयरबेस पर भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। पहले पांच राफेल विमानों को 17वीं स्क्वाड्रन 'गोल्डन एरोज़' में जोड़ा गया था, जो जुलाई 2020 में फ्रांस से भारत पहुंचे थे।

राफेल विमान ने हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया था, जब अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र में आतंकी ठिकानों पर सटीक निशाना साधा गया था। उस अभियान के बाद चार दिन तक दोनों ओर से सैन्य झड़पें हुईं, जो 10 मई को समझौते के साथ समाप्त हुईं।

राष्ट्रपति मुर्मू की यह उड़ान केवल औपचारिक नहीं, बल्कि भारत की रक्षा तैयारियों, तकनीकी दक्षता और महिला नेतृत्व के सशक्त प्रतीक के रूप में देखी जा रही है। अंबाला वायुसेना स्टेशन आज भारतीय इतिहास के गौरवशाली पन्नों में दर्ज हो गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू और पायलट शिवांगी सिंह की तस्वीर बनी भारत की ताकत का प्रतीक, पाकिस्तान के झूठ का पर्दाफाश

अम्बाला वायुसेना स्टेशन पर बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राफेल की पहली महिला भारतीय पायलट स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह की साथ ली गई तस्वीर ने पाकिस्तान के झूठे दावों की हवा निकाल दी। यह तस्वीर अब सोशल मीडिया पर भारत की दृढ़ता और सच्चाई का प्रतीक बन चुकी है। दरअसल, पाकिस्तान ने हाल ही में दावा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने छह भारतीय लड़ाकू विमान मार गिराए, जिनमें शिवांगी सिंह का राफेल भी शामिल है, और उन्हें 'कैद' कर लिया गया है। भारतीय अधिकारियों ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि पाकिस्तान की ओर से जारी की गई सारी जानकारियां पूरी तरह झूठी और मनगढ़ंत हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत बन रहा बड़ी आर्थिक शक्ति – मुख्यमंत्री नायब सिंह

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जिस गति से आज भारत प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है, उसके पीछे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्र सरकार की क्रांतिकारी आर्थिक नीतियाँ प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने "एक राष्ट्र, एक टैक्स" की अवधारणा को साकार करते हुए जी.एस.टी. लागू किया, जिससे पूरा भारत एक एकीकृत बाजार में परिवर्तित हो गया है। जी.एस.टी. सुधारों से न केवल अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है, बल्कि राज्यों के बीच व्यापार आसान हुआ है और व्यापारियों को अनावश्यक करों के जाल से मुक्ति मिली है। हाल ही में किए गए जी.एस.टी. सुधार इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की "गारंटी" सदैव पूरी होती है। ये सुधार आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे।

मुख्यमंत्री बुधवार को बिहार के पटना में बिहार चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए "स्वदेशी" और "मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड" के आह्वान ने देश में विनिर्माण क्षेत्र को नई दिशा दी है। हाल ही में जापान यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत यह विजन आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान के अंतर्गत यूपीआई से लेकर डीबीटी तक डिजिटल लेन-देन की क्रांति ने पारदर्शिता को बढ़ावा दिया है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है। आज भारत का डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी दुनिया के लिए एक उदाहरण बन चुका है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने विनिर्माण और उत्पादन पर बल देकर आयात पर निर्भरता घटाई है तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का एक मजबूत केंद्र बनकर उभरा है। केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीतियों और सुधारों के परिणामस्वरूप आज भारत न केवल आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक सशक्त साझेदार के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, सड़क, रेल, हवाई अड्डों और बंदरगाहों के निर्माण में अभूतपूर्व निवेश हुआ है। ये सुविधाएं बेहतरीन कनेक्टिविटी, उद्योगपतियों के लिए व्यापार और लॉजिस्टिक्स की लागत को कम कर रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए अनावश्यक कानूनों को खत्म करना, प्रक्रियाओं को सरल बनाना, और लाइसेंस राज से मुक्ति दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमें 'विकसित भारत-2047' का लक्ष्य दिया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, हमें अपने राज्यों को विकसित करना होगा। हरियाणा और बिहार को मिलकर देश की प्रगति की गति को तेज करना होगा।

उन्होंने कहा कि आज यहां आकर उन्हें बिहार की मिट्टी की महक और हरियाणा की उद्यमशीलता की भावना का एक अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यह संगम, वास्तव में, हमारे देश की प्रगति और 'विकसित भारत' के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बिहार और हरियाणा का रिश्ता केवल राज्यों की भौगोलिक सीमा तक सीमित नहीं है। यह रिश्ता प्रेम, श्रम और विश्वास का है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज बिहार में डबल इंजन की सरकार के कारण यह पूरे देश में यह प्रदेश दूसरे सबसे तेजी से बढ़ने वाले राज्य के रूप में जाना जा रहा है। आज बिहार की जीडीपी वृद्धि दर 14 प्रतिशत से भी अधिक है। अब बिहार की जीडीपी में औद्योगिक क्षेत्र का हिस्सा 23 प्रतिशत है, जो कृषि के हिस्से से भी अधिक है। यह सिद्ध करता है कि बिहार में उद्योगों के लिए एक सुरक्षित और अनुकूल माहौल बना है। उन्होंने कहा कि राज्य में युवाओं को उद्योग की जरूरतों संबंधी ट्रेनिंग के लिए भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर स्किल यूनिवर्सिटी का उद्घाटन किया गया है। यह युवाओं को उद्योग-आधारित पाठ्यक्रम प्रदान कर रही है।

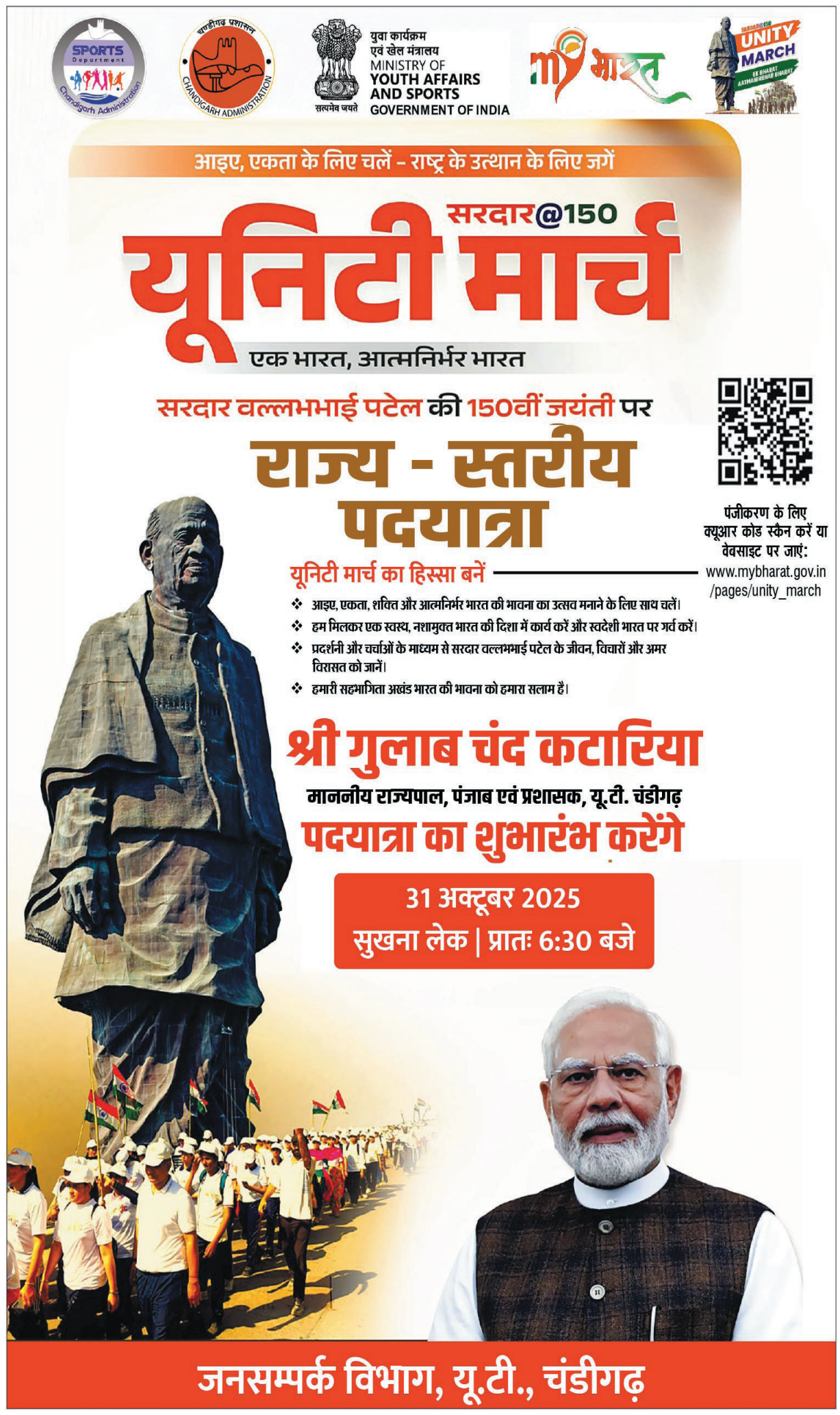

31 अक्तूबर को खनियारा फीडर के तहत बिजली बंद

धर्मशाला। विद्युत उपमंडल, सिद्धपुर के सहायक अभियंता संतोष कुमार ने सूचना दी है कि विद्युत लाइनों के उचित रखरखाब हेतु 31 अक्तूबर, 2025 को सुबह 9:30 से सायं कार्य समाप्ति तक 11 केवी खनियारा फीडर के तहत आने वाले क्षेत्रों, खड़ोता, टिल्लू, चकवन, खनियारा बाजार, नड्डी, सोकनी-दा-कोट आदि क्षेत्रों मे विद्युत आपूर्ति पूर्णतः बाधित रहेगी। मौसम खराब होने या अन्य आकस्मिक आपदा में ये कार्य स्थगित या आंशिक रूप से किया जा सकता है।

धारकंडी क्षेत्र के सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ करने पर खर्च होंगे 7.5 करोड़ रुपये : केवल सिंह पठानिया

धर्मशाला। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धारकंडी क्षेत्र में सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए बड़े स्तर पर कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं। इन कार्यों से न केवल ग्रामीण संपर्क मार्गों की स्थिति में सुधार होगा बल्कि क्षेत्र के लोगों के लिए सुगम यातायात की सुविधा भी सुनिश्चित होगी। यह विचार शाहपुर के विधायक एवं उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने सोमवार को ग्राम दयारा तक 1.3 किलोमीटर लंबी लिंक सड़क के निर्माण कार्य का शिलान्यास के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इस सड़क निर्माण पर 40 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह सड़क स्थानीय ग्रामीणों को मुख्य मार्ग से जोड़ने में सहायक होगी। विधायक केवल सिंह पठानिया ने इस अवसर पर कहा कि धारकंडी क्षेत्र में सड़कों के निर्माण एवं रखरखाव के लिए कुल 7.5 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में सड़कें पक्की की जा रही हैं, लिंक रोड का विस्तार हो रहा है तथा भूस्खलन प्रभावित हिस्सों को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता गांवों तक बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध करवाना है, ताकि ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा और बाजार जैसी बुनियादी सेवाओं तक सुगम पहुंच मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए और उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए। विधायक पठानिया ने कहा कि राज्य सरकार विकास के प्रत्येक क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति मिल रही है और शाहपुर विधानसभा क्षेत्र इसका एक सशक्त उदाहरण बन रहा है। इसके अलावा पठानिया ने घेरा मार्ग पर सड़क के डंगे निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया, जिस पर 8 लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी। यह कार्य बरसात के मौसम में भूस्खलन रोकने और सड़क की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस अवसर पर उपमंडलाधिकारी धर्मशाला मोहित रतन, आर.एम. साहिल कपूर, डी.एफ.ओ. दिनेश शर्मा, बी.डी.ओ. रैत कमलजीत गुप्ता, अधिशासी अभियंता अंकित सूद तथा जिला परिषद सदस्य रितिका शर्मा सहित विभागीय अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।.

आयुर्वेदिक अस्पताल सोलन में रक्तदान शिविर आयोजित

सोलन। सतर्कता जागरूक सप्ताह के अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक सर्कल कार्यालय सोलन द्वारा आज ज़िला आयुर्वेदिक अस्पताल सोलन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता पंजाब नेशनल बैंक सोलन के उपमण्डल प्रमुख रविन्द्र सिंह नेगी ने की। रविन्द्र सिंह नेगी ने कहा कि रक्तदाता द्वारा दिए गए रक्त से ज़रूरतमंद लोगों के जीवन की रक्षा करने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा रक्तदान जहां एक अमूल्य जीवन को बचाने में सहायक है वहीं व्यक्ति स्वयं के स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। उन्होंने कहा कि 02 नवम्बर, 2025 तक चलने वाले सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान पंजाब नेशनल बैंक द्वारा इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।शिविर में 50 प्रतिभागियों ने रक्तदान कर पुनीत कार्य किया।इस अवसर पर ज़िला आयुर्वेदिक अधिकारी सोलन डॉ. निशा वर्मा पंवर, डॉ. अनिता गौतम तथा क्षेत्रीय अस्पताल सोलन की ब्लड बैंक की टीम सहित रक्तदाता उपस्थित थे।

जागरूक व्यक्ति आपदा से होने वाले नुकसान को न्यून करने में होता है सहायक

- कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को दी जानकारी

सोलन। सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग से सम्बद्ध कलाकारों द्वारा आज सोलन ज़िला के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को आपदा से बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। शिव शक्ति कला मंच कुनिहार के कलाकारों द्वारा आज ग्राम पंचायत नण्ड तथा ग्राम पंचायत लौहारघाट में उपस्थित जनसमूह को आपदा न्यूनीकरण के सम्बन्ध में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया गया। कलाकारों ने अवगत करवाया कि हिमाचल प्रदेश युवा हिमालय पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है और भूकम्प, भूस्खलन, हिमस्खलन जैसे कई प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को आपदा से बचाव के बारे में जानकारी होना आवश्यक है ताकि किसी भी प्रकार के जानो-माल के नुकसान को न्यून किया जा सके। हिम सांस्कृति दल ममलीग के कलाकारों द्वारा ग्राम पंचायत सूरजपुर के पिपलूघाट तथा ग्राम पंचायत दाड़लाघाट में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अवगत करवाया कि आपदा की स्थिति में नुकसान को न्यून करने के लिए मकानो का निर्माण सुरक्षित स्थान पर गुणात्मक सामग्री द्वारा करना आवश्यक है। लोगों को अवगत करवाया गया कि आपदा से बचाव के लिए पारम्परिक निर्माण प्रथाओं को अपनाकर भी नुकसान को कम किया जा सकता है। कलाकारों ने लघु नाटिका के माध्यम से अवगत करवाया कि अचानक आई आपदा के दौरान धैर्य रखना आवश्यक है। आपदा की स्थिति में जागरूक व्यक्ति किसी भी प्रकार के नुकसान को न्यून करने में सहायक सिद्ध होता है। इस दौरान लोगों को हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा तैयार की गई प्रचार सामग्री भी वितरित की गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत नण्ड की प्रधान सपना देवी, ग्राम पंचायत लौहारघाट के प्रधान रहुवंश पराशर, ग्राम पंचायत सूरजपुर के प्रधान ओम प्रकाश, ग्राम पंचायत दाड़लाघाट के प्रधान बंसी राम, ग्राम पंचायत दाड़लाघाट के उप प्रधान हेमराज सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

युवा पीढ़ी को प्राचीन परम्पराओं व सनातन संस्कृति से रू-ब-रू करवाना आवश्यक : संजय अवस्थी

सोलन। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि हमारी सनातन परम्परा और प्राचीन संस्कृति जीवन जीने की कला सिखाती है और हम सभी को अपनी सनातन संस्कृति को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयास करने चाहिएं। संजय अवस्थी आज अर्की विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत भिंयुखरी के गांव खल्याड़ी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा समारोह में उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। संजय अवस्थी ने कहा कि ऑनलाइन युग में ऐसे आयोजनों की अहमियत बढ़ गई है। ऐसे आयोजन समाज को भूले-बिसरे जीवन मूल्यों से अवगत करवाने के सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा में ही जीवन का सार छिपा है और समाज के कल्याण के लिए इसका ज्ञान आवश्यक है।विधायक ने कहा कि ऑनलाइन के इस युग में अपनी प्राचीन परम्परा व संस्कृति से जुड़ने के लिए ऐसे आयोजन समय-समय पर होने आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए युवा पीढ़ी को हमारी प्राचीन परम्पराओं व सनातन संस्कृति से रू-ब-रू करवाना आवश्यक है।

संजय अवस्थी ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्र की आर्थिकी को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश प्राकृतिक कृषि उत्पादों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करने वाला देश का पहला राज्य है। प्रदेश सरकार की इस पहल से कृषक व्यापक स्तर पर लाभान्वित हो रहे हैं।

विधायक ने कहा कि सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं 60 रुपए प्रति किलो जबकि मक्की को 40 रुपए प्रति किलो तथा कच्ची हल्दी को 90 रुपए प्रति किलो की दर से खरीदा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से किसानों को उनकी मेहनत का उचित फल मिल रहा है। संजय अवस्थी ने इस अवसर पर लोगों की समस्याएं सुनी और इनके शीघ्र निपटारे के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए। विधायक ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला चन्यारी के भवन निर्माण के लिए 20 लाख रुपए, राजकीय उच्च पाठशाला भियुंखरी में दो कमरों के निर्माण के लिए 10 लाख रुपए, सनोग-बुघार में सिंचाई योजना के लिए 1.76 करोड़ रुपए, गांव क्यारी कुसरी में सिंचाई योजना के लिए 22 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने आयोजन समिति को ऐच्छिक निधि से 31 हजार रुपए देने की घोषणा भी की। इस अवसर पर ग्राम पंचायत भिंयुखरी की प्रधान राजकुमारी, ग्राम पंचायत क्यार कनैता के प्रधान रघुराज पराशर, ग्राम पंचायत भियुंखरी के उप प्रधान कृष्ण राणा, जोगिन्द्रा केन्द्रीय सहकारी बैंक के निदेशक रोशन वर्मा, कांग्रेस पार्टी के जगननाथ शर्मा, जसवंत शर्मा, युवक मण्डल सनोग के प्रधान दिनेश शर्मा, वार्ड सदस्य सत्या देवी, ममता देवी, निर्मला देवी, संजय कुमार, भगत राम, कथा वाचक व्यास महाराज धनमंत्री दास, आचार्य नरेन्द्र भारद्वाज, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड नालागढ़ के अधिशाषी अभियंता देवेन्द्र कौंडल, लोक निर्माण विभाग अर्की के अधिशाषी अभियंता कृष्ण चौहान, जल शक्ति विभाग अर्की के सहायक अभियंता दिनेश धीमान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, अन्य गणमान्य व्यक्ति व ग्रामीण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय राज्य मंत्री से प्रदेश में 150 स्वचालित मौसम केन्द्र तथा किन्नौर में एक डॉप्लर वेदर रडार स्थापित करने का किया आग्रह

नई दिल्ली में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री से की भेंट

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने गत सायं नई दिल्ली में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से भेंट की। मुख्यमंत्री ने आग्रह किया कि राज्य में प्राकृतिक आपदाओं के संबंध में त्वरित चेतावनी उपलब्ध करवाने के लिए डॉप्लर वेदर रडार और समुचित संख्या में स्वचालित मौसम केंद्र स्थापित किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल की भौगोलिक परिस्थिति, वैश्विक ऊष्मीकरण एवं मौसम में परिवर्तन के कारण प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इस कारण राज्य में व्यापक स्तर पर नुकसान हो रहा है। उन्होंने किन्नौर जिला में एक डॉप्लर वेदर रडार और प्रदेश में 150 स्वचालित मौसम केंद्र स्थापित करने का आग्रह किया ताकि इनके माध्यम से पूरे राज्य में अग्रिम चेतावनी प्रणाली का लाभ मिल सके। उन्होंने आग्रह किया कि यह प्रणालियां अगले मानसून सीजन से पूर्व स्थापित की जाएं। मुख्यमंत्री ने लाहौल-स्पीति जिला के लिए एक डॉप्लर वेदर रडार स्वीकृत करने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में केंद्रीय राज्य मंत्री से आग्रह किया था।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के मौसम डेटा को केंद्र द्वारा अधिसूचित अग्रिम चेतावनी एजेंसियों के डेटा के साथ एकीकृत किया जाना आवश्यक है। इससे एकीकृत जानकारी एवं समयबद्ध अग्रिम चेतावनी

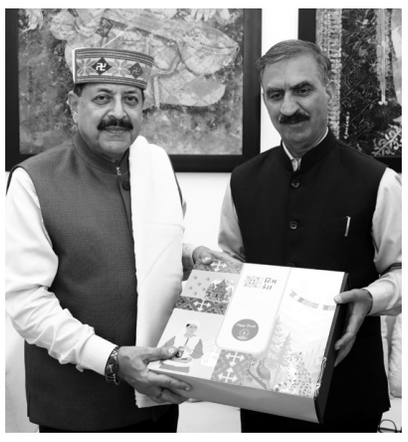

प्राप्त होने में सुगमता होगी। उन्होंने कांगड़ा-हमीरपुर जोन में सीस्मिक प्रयोगशाला एवं डेटा विश्लेषण केंद्र स्थापित करने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश का अधिकांश क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है और उच्च क्षमता युक्त केंद्र की स्थापना प्रदेश सहित अन्य पर्वतीय राज्यों के लिए लाभदायक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने हमीरपुर जिला में मौसम डेटा केंद्र, प्रदेश के उंचाई वाले क्षेत्रों में दो अतिरिक्त वायु निगरानी प्रणालियां और शेडो जोन में कॉम्पैक्ट वेदर रडार स्थापित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हिमाचल में प्राकृतिक आपदाओं में अप्रत्याशित वृद्धि के दृष्टिगत अत्याधुनिक चेतावनी एवं डेटा अनुश्रवण और विश्लेषण प्रणाली की स्थापना समय की आवश्यकता है। उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री से प्रदेश में अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्पेस ऑन व्हील्स कार्यक्रम, कृत्रिम मेधा एवं संबंद्ध तकनीक की अद्यतन जानकारी के लिए रिफ्रेशर कोर्स, पर्यावरण संरक्षण एवं समग्र विकास के दृष्टिगत पौध आधारित पैकेजिंग प्रणाली तैयार करने के लिए अनुसंधान तथा विकास केंद्र और प्रदेश में पर्वतीय जैविक संसाधनों के समग्र उपयोग के लिए जैव उत्पादन हब (बायो मैन्यूफेक्चरिंग हब) की स्थापना के लिए प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृत करने का आग्रह भी किया। प्रदेश में प्राकृतिक कृषि एवं लैवेंडर सहित लेमन ग्रास और पुष्प खेती के विषय में भी बैठक में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने अवगत करवाया कि हिमाचल प्राकृतिक कृषि उत्पादों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करने वाला देश का पहला राज्य है। प्रदेश सरकार की इस पहल से कृषक व्यापक स्तर पर लाभान्वित हो रहे हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री ने हिमाचल सरकार की इस पहल की सराहना की। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य की विभिन्न मांगों पर शीघ्र उचित निर्णय लिया जायेगा।

भोरंज के विधायक सुरेश कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह, प्रधान आवासीय आयुक्त अजय कुमार यादव तथा केंद्रीय राज्य मंत्री के विशेष कार्यकारी अधिकारी राजीव कुमार इस अवसर पर उपस्थित थे।

आत्म-जागरूकता से ही संभव है प्रभावी आपदा प्रबंधन- विनय कुमार

- अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने किया आपदा जागरूकता मार्च का शुभारंभ

धर्मशाला। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कांगड़ा की ओर से आज समर्थ-2025 कार्यक्रम के तहत आपदा जागरूकता मार्च का आयोजन किया गया। इस मार्च को अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने उपायुक्त कार्यालय धर्मशाला से फ्लैग ऑफ किया। यह मार्च उपायुक्त कार्यालय से प्रारंभ होकर पुलिस ग्राउंड धर्मशाला में संपन्न हुआ।

अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन का सबसे पहला कदम आत्म-जागरूकता है। जब हम स्वयं सजग और तैयार रहेंगे, तभी समाज को भी जागरूक बना पाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने आस-पास की गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए और जहां भी जोखिम की संभावना हो, वहां सुधार के लिए प्रेरित करना चाहिए। यही जागरूकता भविष्य में संभावित आपदाओं के प्रभाव को कम करने में सहायक सिद्ध होती है। उन्होंने कहा कि हम आपदाओं को पूरी तरह रोक नहीं सकते, लेकिन उनसे होने वाली क्षति को अवश्य कम कर सकते हैं। भवन और संपत्ति दोबारा बनाई जा सकती है, परंतु जान-माल की हानि की भरपाई असंभव होती है। इस अवसर पर आपदा मित्र, एनएसएस व एनसीसी कैडेट्स, एसडीआरएफ दल, होमगार्ड बैंड, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, राजकीय कन्या वरिष्ठ पाठशाला धर्मशाला तथा राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला के विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान एसडीआरएफ टीम ने प्रतिभागियों को बेसिक फर्स्ट एड एवं सीपीआर से संबंधित जानकारी दी तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार के व्यावहारिक प्रदर्शन किए। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण अधिकारी कुलदीप सिंह ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपदा के प्रति सजगता, तत्परता और सहभागिता की भावना को सशक्त बनाते हैं। इस अवसर पर जिला इंटर एजेंसी ग्रुप के संयोजक हरजीत भुल्लर, विभिन्न विभागों के अधिकारी, राजकीय कॉलेज धर्मशाला, राजकीय कन्या वरिष्ठ पाठशाला धर्मशाला के अध्यापक और एसडीआरएफ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कुल्लू और चंबा ज़िलों के आपदा प्रभावितों के लिए राहत सामग्री रवाना की

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज कुल्लू और चंबा जिलों के आपदा प्रभावित परिवारों के लिए आवश्यक राहत सामग्री के दो वाहनों को राजभवन से रवाना किया। राहत सामग्री हिमाचल प्रदेश राज्य रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से इन क्षेत्रों में चल रहे पुनर्वास प्रयासों के अंतर्गत सहायता के लिए भेजी गई है।राहत सामग्री में रसोई में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं के 74 सेट, 300 तिरपाल, 280 कंबल, 20 आश्रय उपकरण किट और आवश्यक अन्य घरेलू सामान शामिल हैं। राज्यपाल ने कहा कि राज्य रेडक्रॉस सोसाइटी आपदाग्रस्त लोगों को समय पर सहायता प्रदान करने में सराहनीय भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस के माध्यम से राहत कार्य जारी रहेंगे और अगर आवश्यक हुआ तो जिला प्रशासन और स्थानीय प्रतिनिधियों की मांग के आधार पर अतिरिक्त सहायता भेजी जाएगी। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव सी.पी. वर्मा और राज्य रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य भी उपस्थित थे।

ज़िला परिषद सोलन की त्रैमासिक बैठक सम्पन्न

सोलन। ज़िला परिषद सोलन के अध्यक्ष रमेश ठाकुर ने ज़िला परिषद सदस्यों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियां एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि विकास कार्यों को पूर्ण करने के लिए बेहतर समन्वय स्थापित कर गति प्रदान करें ताकि समय पर परियोजनाओं का लोगों को लाभ मिल सके। रमेश ठाकर आज यहां ज़िला परिषद की त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। ज़िला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि गत वर्षों में ज़िला के सभी अधिकारियों ने ज़िला परिषद के सदस्यों के साथ पूर्ण सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो लम्बित मद हैं उनका समाधान शीघ्र करें ताकि लोगों को सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि विकास एक निरंतर प्रक्रिया है और सभी के सहयोग से ही समयबद्ध विकास सुनिश्चित हो सकता है।

बैठक में खण्ड विकास अधिकारी नालागढ़ से अवगत करवाया कि 15वें वित्तायोग के अंतर्गत शौचालयों से सम्बन्धित कार्य स्वच्छ भारत मिशन के तहत करवाया जा रहा है जिसमें से तीन शौचालय का निर्माण हो चुका है और शेष का कार्य प्रगति पर है। बैठक में हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों को विभिन्न रूटों पर चलाने और रूट बढ़ाने के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। हिमाचल पथ परिवहन निगम के अधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि निगम की नई बसें आने पर आवश्यक रूटों पर चला दी जाएंगी। बैठक में अधिकारियों को भारी वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों व पेयजल योजनाओं को शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय वित्त मंत्री से इस वित्त वर्ष की शेष अवधि के लिए ऋण सीमा में दो प्रतिशत वृद्धि का किया आग्रह

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भेंट कर हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिति के दृष्टिगत वित्तीय सहायता, ऋण एवं अनुदान के लिए उदार दृष्टिकोण अपनाने तथा प्रदेश को वित्त वर्ष 2025-26 की शेष अवधि के लिए ऋण सीमा में दो प्रतिशत की वृद्धि का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार के सतत् प्रयासों से हालांकि राज्य के राजस्व में वृद्धि हो रही है लेकिन राजस्व घाटा अनुदान में नियमित कमी तथा पिछले तीन वर्षों से प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुए नुकसान के दृष्टिगत हिमाचल की वित्तीय स्थिति पर अत्यंत नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।श्री सुक्खू ने कहा कि 15वें वित्त आयोग की अवधि में प्रदेश के राजस्व घाटा अनुदान में कमी आई है। वर्ष 2020-21 के 10249 करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2025-26 में यह घटकर मात्र 3257 करोड़ रुपए रह गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में प्रदेश में प्राकृतिक आपदा के कारण लगभग 18000 करोड़ रुपए का नुकसान आंका गया है। इस अवधि में प्रदेश में 1321 लोगों की मृत्यु भी हुई। इस कारण प्रदेश के संसाधन एवं श्रम शक्ति में भी कमी आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर दर के हाल ही में किए गए युक्तिकरण से कर आधार कम होने से प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री से आग्रह किया कि हिमाचल की कठिन परिस्थितियों के दृष्टिगत हिमाचल को उदार वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने राज्य की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए प्रदेश सरकार द्वारा अपनाए जा रहे उपायों की जानकारी भी प्रदान की। केन्द्रीय वित्त मंत्री ने आश्वस्त किया कि प्रदेश की विभिन्न मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल को विशेष केन्द्रीय सहायता के अंतर्गत अतिरिक्त सहायता प्रदान करने और बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं के तहत विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र की योजनाओं के लिए अतिरिक्त स्वीकृति पर भी विचार किया जाएगा।राज्य सभा सांसद एवं हिमाचल कांग्रेस की प्रभारी रजनी पाटिल, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह, प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार, प्रधान आवासीय आयुक्त अजय कुमार यादव और केन्द्रीय वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

डॉ. शांडिल 30 अक्तूबर को सोलन के प्रवास पर

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री 30 अक्तूबर, 2025 को सोलन के प्रवास पर आ रहे हैं। डॉ. शांडिल 30 अक्तूबर, 2025 को प्रातः 11.00 बजे सोलन के ठोडो मैदान में आयोजित 66वीं अंडर-19 राज्य स्तरीय छात्र माइनर खेल-कूद प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर पर मुख्यातिथि होंगे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

मठ मंदिर में गोपाष्टमी धूमधाम से मनाई गई

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आज श्री चैतन्य गौड़ीय मठ, सेक्टर 20 में गोपाष्टमी मनाई गई। मठ मंदिर के प्रवक्ता जयप्रकाश गुप्ता ने बताया कि कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी को गोपाष्टमी का पर्व मनाने के लिए भक्तों में प्रातः काल से ही उत्साह उमंग और इंतजार बना हुआ था। सर्वप्रथम गौ माता को अभिषेक करने के लिए स्नान करवाया गया व तिलक लगाने के बाद सुंदर आकर्षक शरीर पर पोशाक पहनाई गई और मुकुट भी पहनाया गया, तत्पश्चात गाय माता को हरी-हरी कोमल घास खिलाई गई, और फिर आरती उतारी गई। मठ के स्वामी बामन जी महाराज ने गोपाष्टमी पर्व के उपलक्ष पर भक्तों को संबोधित करते हुए बताया कि आज ही के दिन भगवान श्री कृष्ण जी ने गौ-चराना प्रारंभ किया था, और उन्होंने गौ-माता की रक्षा का बीड़ा उठाया था। इसलिए कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी को गोपाष्टमी के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि गाय की सेवा करने से भगवान कृष्ण की भक्ति तो प्राप्त होती ही है, साथ में गौ माता की प्रतिदिन सेवा करने से उनको चारा देने से व चरणों को स्पर्श करने से घर में सुख-समृद्धि, सुख-शांति मिलती है व ऋण से छुटकारा मिलता है। गाय भगवान श्री कृष्ण की अति प्रिय मानी जाती है।गाय माता कभी भी किसी का कर्ज अपने पर नहीं रखती तथा तत्काल सेवा का फल दे देती है।

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को समर्पित नगर कीर्तन 1 नवंबर को

हिन्द जनपथ
जालंधर(ब्यूरो)। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को समर्पित जालंधर शहर में 1 नवंबर को सजाए जा रहे नगर कीर्तन और प्रकाश पर्व संबंधी तैयारियों तथा प्रबंधों का जायजा लेते हुए डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

आज यहां जिला प्रशासकीय कॉम्प्लेक्स में सिंह सभाओं, सेवा सोसाइटियों और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों के प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग के दौरान डिप्टी कमिश्नर ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध और सुचारू ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को लोगों की सुविधा के लिए रूट प्लान भी तैयार करने को कहा।

मीटिंग के दौरान डा. अग्रवाल ने नगर निगम के अधिकारियों को नगर कीर्तन के पूरे रूट पर साफ-सफाई, प्रमुख स्थानों और चौकों की सजावट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कहा कि नगर कीर्तन के रूट का दौरा किया जाए और अगर कहीं सड़क की मरम्मत, स्ट्रीट लाइटें, बिजली की निचली तारों को ऊंचा करने समेत किसी अन्य प्रकार की व्यवस्था की जरूरत है, तो तुरंत कार्रवाई की जाए। इसके अलावा उन्होंने जरूरी मैडिकल टीमें, पीने का पानी, अस्थायी शौचालय, फायर ब्रिगेड, निर्विघ्न बिजली आपूर्ति समेत अन्य आवश्यक प्रबंध समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डिप्टी कमिश्नर ने भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन की ओर से प्रबंधों के मामले में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सौंपी गई जिम्मेदारी पूरी लगन और आपसी तालमेल से निभाई जाए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नगर कीर्तन का रूट : विभिन्न सिंह सभाओं और प्रबंधक कमेटी के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन को बताया कि नगर कीर्तन 1 नवंबर को सुबह 10 बजे गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा मुहल्ला गोबिंदगढ़ से शुरू होगा और एस.डी. कॉलेज, भारत सोडा वाटर, मंडी फेंटनगंज, गुरुद्वारा दीवान अस्थान, मिलाप चौक, फगवाड़ा गेट, भगत सिंह चौक, पंज पीर, खिंगरा गेट, गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा चौक, अड्डा हुशियारपुर, माई हीरा गेट, पटेल चौक, बस्ती अड्डा जी.टी. रोड, भगवान वाल्मीकि चौक, रैनक बाजार से होता हुआ गुरुद्वारा दीवान अस्थान सेंट्रल टाउन में संपन्न होगा।

'युद्ध नशों विरूद्ध' के 242वें दिन पंजाब पुलिस ने 2.4 किलो हेरोइन और 1.8 किलो अफीम सहित 87 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर प्रदेश से नशे का पूरी तरह खात्मा करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे "युद्ध नशों विरूद्ध" के 242वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्य भर में 358 स्थानों पर छापेमारी की। इन कार्रवाइयों के दौरान पुलिस ने 71 एफआईआर दर्ज कर 87 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही बीते 242 दिनों में कुल गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की संख्या 34,511 तक पहुंच गई है।

इन छापों के परिणामस्वरूप गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 2.4 किलो हेरोइन, 1.8 किलो अफीम, 31 किलो भूक्की और 2120 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और एस.एस.पीज. को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही पंजाब सरकार ने नशा-विरोधी मुहिम की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट उप-समिति गठित की है।

इस अभियान के दौरान 72 गजटेड अधिकारियों की देखरेख में 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 358 स्थानों पर छापेमारी की। दिनभर चले इस ऑपरेशन में पुलिस टीमों ने 355 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

यह उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने राज्य में नशे के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - प्रवर्तन, नशा मुक्ति और रोकथाम लागू की है। इसी रणनीति के तहत आज पंजाब पुलिस ने 38 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार प्राप्त करने के लिए राज़ी किया है।

संसार की समस्त आसक्तियां सत्संग से नष्ट हो जाती हैं : डॉ रमनीक कृष्ण जी महाराज

चण्डीगढ़ : कार्तिक मास के पावन अवसर पर श्रीराम मंदिर, सेक्टर 47 में जगत सद्भावना संस्थान के सानिध्य में आयोजित पितृ तर्पण श्रीमद्भागवत कथा भक्ति ज्ञान यज्ञ के विश्राम दिवस में सद्भावना दूत भगवताचार्य स्वामी डॉ रमनीक कृष्ण जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उद्धव को ज्ञानोपदेश प्रसंग श्रवण कराते हुए बताया कि संसार की समस्त आसक्तियां सत्संग से नष्ट हो जाती हैं। सत्संग से जैसे मैं वश में होता हूं, वैसा साधन, योग, सांख्य, धर्म पालन या स्वाध्याय से नहीं होता। यही नहीं, व्रत, यज्ञ, वेद, तीर्थ, यम-नियम भी सत्संग के समान मुझे आश्रित नहीं कर सकते। सत्संग केवल इस युग में ही नहीं, सभी युगों में प्रभावी रहा है और रहेगा। रजोगुणी प्रकृति के जीवों ने भी मुझे इसके प्रभाव से प्राप्त किया है। सत्संग के कारण ही मुझे दैत्य, राक्षस, पशु, गंधर्व, अप्सरा, नाग, सिद्ध, विद्याधर, मनुष्य प्राप्त कर लेते है।

वृत्रासुर, प्रहलाद, बलि, बाणासुर, विभीषण, हनुमान, जामवंत, सुग्रीव, गजेंद्र, जटायु, कब्जा ब्रज गोपियां, यज्ञ पत्नियों ने सत्संग के प्रभाव से मुझे प्राप्त किया। इन लोगों ने न तो वेदों का अभ्यास किया, ना ही कोई योग्यता,, न तपस्या ही की, केवल सत्संग के प्रभाव से मुझे प्राप्त हो गए। उद्धव, बड़े-बड़े प्रयत्नशील साधक योग, सांख्य, दान, व्रत, तपस्या, यज्ञ, स्वाध्याय, संन्यास साधनों आदि के द्वारा मुझे प्राप्त नहीं कर सकते।

पंजाब में 1,400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी आई.ओ.एल. केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड कंपनी: संजीव अरोड़ा

2000 लोगों को मिलेंगे रोज़गार के अवसर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक श्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के गतिशील नेतृत्व में पंजाब को एक जीवंत, स्वस्थ और भविष्य के लिए तैयार राज्य बनाने के उद्देश्य से, कैबिनेट मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि सालाना 2300 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाली कंपनी आई.ओ.एल. केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड पंजाब में 1,400 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। कंपनी जिला बरनाला के गांव बड़बर में एक नई एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट (ए पी आई) निर्माण इकाई स्थापित करेगी। इस इकाई से लगभग 2,000 पंजाबियों को रोज़गार के अवसर प्राप्त होंगे।

मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट के लिए पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिल चुकी है और इकाई स्थापित करने के लिए ज़मीन कंपनी के अधिकार में है। आई.ओ.एल. केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड भारत की प्रमुख एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट (ए पी आई) और विशेष रसायन निर्माताओं में से एक है। यह कंपनी दर्द, बुखार और सूजन के इलाज में व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली नॉन-स्टीरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग (एन एस ए आई डी) – आइबूप्रोफेन बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी निर्माता कंपनी भी है।

उन्होंने आगे बताया कि कंपनी की एक निर्माण इकाई पहले से ही फतेहगढ़ छन्ना, बरनाला में कार्यरत है। उल्लेखनीय है कि नई इकाई की स्थापना के बाद पंजाब में इस कंपनी का कुल निवेश 2533 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा और इसकी सभी इकाइयों में कुल 3100 लोग कार्यरत होंगे।

श्री अरोड़ा ने कहा कि बरनाला जिले के बड़बर गांव में प्रस्तावित 1,400 करोड़ रुपये का यह ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट, आई.ओ.एल. की ए पी आई उत्पादन क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है और यह पंजाब को फार्मास्यूटिकल और रासायनिक उद्योगों के एक उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि 'आप' सरकार के सत्ता संभालने के बाद से पंजाब में कुल 1.30 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जिससे 5 लाख लोगों को रोजगार मिला है। इस अवसर पर आई.ओ.एल. केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री वरिंदर गुप्ता और निवेश प्रोत्साहन विभाग के सी.ई.ओ. अमित ढाका भी मौजूद थे, जिन्होंने मीडिया के सवालों के उत्तर दिए।

हर मेहनतकश नागरिक को सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मुहैया करने के उद्देश्य से नेशनल लेबर पार्टी का गठन किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्रमिकों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं और युवाओं की आवाज़ को सशक्त बनाने तथा सामाजिक और आर्थिक न्याय की दिशा में ठोस कदम उठाने के उद्देश्य से नेशनल लेबर पार्टी का गठन किया गया है, जिसके शुभारम्भ के लिए अपने अधिकारों एवं अन्य ज्वलंत मुद्दों के प्रति जागरूक तथा सजग शहर चण्डीगढ़ को चुना गया। पार्टी के गठन की घोषणा हेतु आज चण्डीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज राय एवं नामित स्थानीय अध्यक्ष डॉ. दलजीत सिंह चौहान ने संयुक्त रूप से पार्टी की नीति, उद्देश्य और मिशन की बारे में पत्रकारों से बातचीत की।

इस अवसर पर डॉ. दलजीत सिंह चौहान ने कहा कि देश में आज मेहनतकश वर्ग सबसे बड़ा है लेकिन यही वर्ग सबसे उपेक्षित है। नेशनल लेबर पार्टी इस वर्ग की आवाज़ को संसद और विधानसभाओं तक पहुंचाएगी। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी का सिद्धांत कामगार भारत-सम्मानित भारत पर आधारित है। उनके मुताबिक वे ऐसी व्यवस्था बनाना चाहते हैं जिसमें हर मेहनतकश नागरिक को सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिले। श्रमिकों की आवाज़ – भारत की नई पहचान के नारे के साथ यह पार्टी भारत में समानता, श्रम की गरिमा और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है। पार्टी का उद्देश्य देश के हर वर्ग को राजनीतिक भागीदारी का अवसर देना और जनता के मुद्दों को केंद्र में लाना है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज रॉय ने कहा कि नेशनल लेबर पार्टी का उद्देश्य राजनीति को जनसेवा से जोड़ना है, न कि सत्ता की होड़ से। उन्होंने कहा कि पार्टी जमीनी स्तर पर संगठन मजबूत कर रही है और प्रत्येक राज्य में जनसंवाद यात्रा शुरू करने की योजना बना रही है ताकि आम जनता की समस्याओं को सीधे समझ कर समाधान के लिए ठोस नीति बनाई जा सके। उन्होंने आगे कहा कि देश के मजदूर, किसान, युवा और महिलाएँ अब मौन नहीं रहेंगे। नेशनल लेबर पार्टी उन्हें एक मज़बूत मंच देगी, जो केवल वादे नहीं बल्कि परिणाम देगा।

अमन अरोड़ा और तरुनप्रीत सौंद ने गुजरात के स्वामीनारायण अक्षरधाम में माथा टेका

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/गांधीनगर(ब्यूरो)। पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री तथा आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रधान श्री अमन अरोड़ा और पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों के मंत्री श्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने आज गांधीनगर स्थित स्वामीनारायण अक्षरधाम में माथा टेका।

श्री अमन अरोड़ा और उनके कैबिनेट सहयोगी श्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने पंजाब और इसके लोगों पर सदा बनी रहने वाली ईश्वरीय कृपा, राज्य की शांति, समृद्धि और उन्नति के लिए प्रार्थना की।

श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि अक्षरधाम की दिव्य आभा में हमने पंजाब और राज्यवासियों की भलाई के लिए प्रार्थना करते हुए ईश्वर से सुख-शांति और खुशहाल राज्य के निर्माण हेतु हमारे प्रयासों को और बल देने का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि यह पवित्र स्थल सभी मतों के प्रति सम्मान और एकता की गहरी भावना के साथ हमारे महान राष्ट्र को एक सूत्र में बांधकर रखता है।

केजरीवाल की मौजूदगी में सी एम मान ने आर.टी.ओ. कार्यालय पर लगाया ताला अब 1076 डायल करने पर घर आ कर कार्य करेंगे आर टी ओ कर्मचारी

हिन्द जनपथ
लुधियाना(ब्यूरो)। प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह शासन के नए युग की शुरुआत करने के लिए एक और नागरिक केंद्रित पहलकदमी में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज जनता की सुविधा के लिए फेसलेस आर.टी.ओ. सेवाओं की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री ने इस स्कीम की शुरुआत के समय भ्रष्टाचार के युग को खत्म करने के प्रतीक के रूप में यहां आर.टी.ओ. दफ्तर पर ताला लगाया।

मीडिया से बातचीत करते हुए 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि आजादी के बाद अब तक राज्य के लोग नौकरशाही और उसके भ्रष्ट कामों के गुलाम बन गए थे। उन्होंने कहा कि आज पंजाब इस गुलामी से मुक्त हो गया है और अब लोग 1076 पर कॉल करके अपना ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और अन्य दस्तावेज प्राप्त कर सकेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज लोगों को अपना काम करवाने के लिए भ्रष्टाचार, परेशानियों और बिचौलियों से आजादी मिल रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा अनोखा काम देश में ही नहीं, बल्कि दुनिया में पहली बार हो रहा है।

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि आज पंजाब के लोगों के लिए ऐतिहासिक दिन है क्योंकि पहली बार राज्य में फेसलेस आर.टी.ओ. सेवाएं शुरू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस पहलकदमी को वास्तव

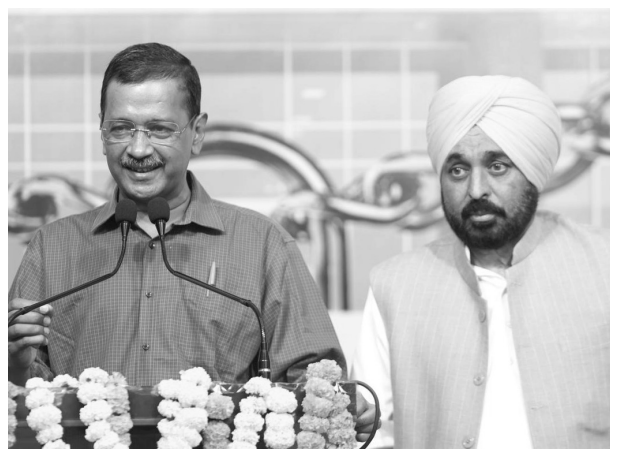

में परिवहन विभाग में डिजिटल क्रांति कहा जा सकता है क्योंकि लोगों को अब उनके घरों में ही सेवाएं मिलेंगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट से संबंधित कुल 56 प्रमुख सेवाओं को अब पूरी तरह फेसलेस कर दिया गया है।

राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि ये सेवाएं हेल्पलाइन नंबर 1076 पर कॉल करके सेवा केंद्रों के माध्यम से प्राप्त की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों को पहले ड्राइविंग लाइसेंस या वाहन रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए साइबर कैफे जाना पड़ता था या खुद ऑनलाइन आवेदन देना पड़ता था। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आवेदन देने के बाद उन्हें दस्तावेज सत्यापन जैसे कामों के लिए कई बार आर.टी.ओ. दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे, जिस कारण दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों, बुजुर्गों और विकलांग व्यक्तियों को काफी मुश्किल होती थी।

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि इससे न सिर्फ लोगों का समय और ऊर्जा लगती है, बल्कि वित्तीय बोझ भी बढ़ता है। उन्होंने आगे कहा कि अब नागरिकों को आर.टी.ओ. दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे क्योंकि ये सेवाएं पंजाब भर में स्थापित सेवा केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जाएंगी। इसके लिए इन केंद्रों के स्टाफ को सही ढंग से प्रशिक्षण दिया गया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये सभी सेवाएं घर बैठे हेल्पलाइन नंबर 1076 पर कॉल करके प्राप्त की जा सकती हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आर.टी.ओ. दफ्तरों में लोगों को बहुत सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था और आज का दिन इन दिक्कतों के अंत का सूचक है, जिससे आम आदमी को बहुत फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहलकदमी से आम आदमी को होने वाली दिक्कत और भ्रष्टाचार पर रोक लगाई गई है और यह राज्य सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पहले लोगों को राजस्व विभाग में सुधारों के कारण बहुत लाभ हुआ है, जिसने लोगों को बड़े पैमाने पर अधिकार दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि परिवहन विभाग के किसी भी कर्मचारी को नौकरी से नहीं निकाला जाएगा और राज्य सरकार द्वारा उनकी योग्यता के अनुसार अन्य विभागों में उनकी सेवाओं का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले लोगों को परेशान करने के लिए रिबन काटे जाते थे, अब राज्य सरकार लोगों की सुविधा के लिए दफ्तरों पर ताले लगा रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक पंजाब में 19 टोल प्लाजा बंद कर दिए हैं ताकि लोगों की अनावश्यक लूट को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब आज देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने लोगों को सुचारू ढंग से सुविधाएं प्रदान करके आर.टी.ओ. दफ्तरों को बंद कर दिया है। उन्होंने जनता से राज्य सरकार के इस बड़े लोक-पक्षीय उपक्रम का लाभ उठाने की अपील की।

भारत की श्रम संहिताएं: समावेशी आर्थिक विकास की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम

लेखक : श्री चंद्रजीत बनर्जी, महानिदेशक, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)

भूमि और श्रम; भारत के विकास के आधार-स्तंभ हैं— भूमि अवसंरचना और औद्योगिक विकास को गति देती है, जबकि श्रम उत्पादकता और समावेश को बढ़ावा देता है। इस संदर्भ में, भारत की नई श्रम संहिताएं एक परिवर्तनकारी कदम को रेखांकित करती हैं, 29 कानूनों को एक आधुनिक, एकीकृत संरचना में समेकित करती हैं तथा श्रम परिदृश्य में स्पष्टता, एकरूपता और समानता सुनिश्चित करती है।

श्रमिकों के लिए, ये संहिताएं मज़बूत सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्यस्थल और औपचारिक लाभों तक व्यापक पहुँच की सुविधा प्रदान करती हैं, जबकि व्यवसायों को सरलीकृत अनुपालन, कार्यबल प्रबंधन में लचीलेपन और सभी क्षेत्रों में समान अवसर का लाभ मिलता है। हालाँकि अंतिम प्रभाव कार्यान्वयन की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा, लेकिन ये संहिताएँ भारत के श्रम बाजार को 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम हैं।

जयपुर में वितरण सेवाओं से लेकर साणंद में तकनीकी भूमिकाओं और गुवाहाटी में निर्माण कार्य तक— विभिन्न क्षेत्रों में भारत के कार्यबल की आकांक्षा एक-जैसी हैः सुरक्षित कार्य परिस्थितियों तक पहुँच, उचित पारिश्रमिक और दूसरी जगह ले जाने योग्य एवं विश्वसनीय सामाजिक सुरक्षा। श्रमिक चाहे कारखानों में कार्यरत हों या खेतों में, या प्लेटफ़ॉर्म-आधारित सेवाओं से जुड़े हों, वे तीन प्रमुख आश्वासन चाहते हैंः आय स्थिरता, पूर्वानुमानित सामाजिक सुरक्षा और रोज़गार में सम्मान। भारत की चार श्रम संहिताएँ इस आकांक्षा को जीवंत वास्तविकता में बदलने के उद्देश्य से तैयार की गई हैं, ताकि समता और सुरक्षा के सिद्धांत का कार्य जगत में अंतर्निहित होना सुनिश्चित हो सके।

सुधारों के केंद्र में है - सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार। लाखों असंगठित, गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिक, जो भारत के कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, नई व्यवस्था के तहत औपचारिक मान्यता प्राप्त करेंगे और कई सुविधाओं के पात्र बन जायेंगे। भविष्य निधि, स्वास्थ्य बीमा और मातृत्व लाभ के प्रावधान अब औपचारिक क्षेत्र के कर्मचारियों तक ही सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि ऐतिहासिक रूप से बहिष्कृत श्रेणियों तक इनका विस्तार हो जाएगा। यह बदलाव, न केवल कमजोर श्रमिकों के लिए सुरक्षा सुविधा को मजबूत करता है, बल्कि

उद्यमों को रोज़गार को औपचारिक बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक सुरक्षा के समग्र आधार का विस्तार होता है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 औपचारिक रूप से गिग, प्लेटफ़ॉर्म और असंगठित श्रमिकों को मान्यता देती है तथा केंद्र और राज्यों को उनके लिए समर्पित सामाजिक-सुरक्षा कोष स्थापित करने की सुविधा देती है। एग्रीगेटर्स को टर्नओवर का 1-2 प्रतिशत, भुगतान का अधिकतम 5 प्रतिशत, योगदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है, जो गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लाभों के वित्तपोषण का एक व्यावहारिक तरीका है। आधार-आधारित पंजीकरण पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है और ई-श्रम पोर्टल में 31 करोड़ से अधिक श्रमिक नामांकित हैं। प्रत्येक श्रमिक को एक सार्वभौमिक खाता संख्या (यूनिवर्सल अकाउंट नंबर, यूएएन) दी गयी है, जिसके जरिये स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व सहायता, या वृद्धावस्था पेंशन जैसे लाभों को नये कार्य-स्थल में स्थानांतरित किया जा सकता है, चाहे वे कहीं भी काम करते हों। ई-श्रम रजिस्ट्री, वास्तव में, अनौपचारिक श्रमिकों के संदर्भ में भारत का पहला राष्ट्रीय डेटाबेस है— जो समावेशी विकास और आपदा सहनीयता की दिशा में एक आवश्यक कदम है।

व्यवसाय सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियाँ संहिता भी उतनी ही परिवर्तनकारी है, जो सुरक्षा मानदंडों को एकीकृत करती है और विशेष रूप से, महिलाओं को सहमति और सुरक्षा उपायों के साथ रात्रि पाली में काम करने की अनुमति देती है। यह प्रगतिशील उपाय महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार करता है, जबकि सुरक्षा को अनिवार्य बनाए रखता है। ओएसएच संहिता लाइसेंस और निरीक्षण प्रणालियों को भी युक्तिसंगत बनाती है, जो दंड के बजाय रोकथाम की संस्कृति को बढ़ावा देने के क्रम में जोखिम-आधारित, प्रौद्योगिकी-सक्षम अनुपालन की ओर अग्रसर है। इसी तरह, वेतन संहिता सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन और समय पर भुगतान व्यवस्था को सार्वभौमिक बनाती है, चाहे उनका क्षेत्र या कौशल स्तर कुछ भी हो।

औद्योगिक संबंध संहिता, विवाद समाधान तंत्र को मजबूत करने और सामाजिक संवाद को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। विवाद बढ़ने से पहले बातचीत, सुलह और मध्यस्थता को प्रोत्साहित करके, यह संहिता एक अधिक स्थिर औद्योगिक संबंध वातावरण का निर्माण करती है। इसके अतिरिक्त, ट्रेड यूनियन मान्यता और बड़े उद्यमों के लिए स्थायी आदेशों से संबंधित सरलीकृत नियम; नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों में पारदर्शिता और पूर्वानुमान में सुधार को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किए गए हैं।

उद्यमों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए, श्रम संहिताओं का अर्थ है सरल अनुपालनः मानकीकृत परिभाषाएँ, कम रजिस्टर, डिजिटल रूप से दाखिल करना और बहुत कम अस्पष्टता। भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह वित्त वर्ष 2021-22 में 83.6 बिलियन डॉलर रहा था और वित्त वर्ष 2024-25 में यह 81 बिलियन डॉलर के साथ मजबूत स्थिति में है। इस अवधि में, भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण सुधार लागू किए, जिनमें श्रम सुधारों का अधिनियमन भी शामिल है। वित्त वर्ष 2021-22 में पूंजीगत व्यय के लिए लगभग 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उच्चतम आवंटन हुआ। इसके अलावा, संस्थागत नीति, डिजिटल सुधारों, देश में व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने और भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य स्थल बनाने के माध्यम से अनुपालन बोझ को कम करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए। इसी अवधि में विनिर्माण क्षेत्र में सुधार तथा सेमीकंडक्टर उद्योग, कोयला क्षेत्र, ऊर्जा और खनिज क्षेत्र को मजबूत करने से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बाजार में देश की स्थिति को और मजबूत करने में योगदान मिला।

फिर भी, कानून पारित करना केवल आधी यात्रा है। श्रम समवर्ती सूची का विषय है, जिसका अर्थ है कि केंद्र और राज्य दोनों को कार्यान्वयन के लिए नियम बनाने और अधिसूचित करने होंगे। हालाँकि अधिकांश राज्यों ने चारों संहिताओं के अंतर्गत नियमों का मसौदा तैयार कर लिया है, लेकिन अंतिम अधिसूचना जारी करने की गति असमान बनी हुई है। 'एक राष्ट्र, एक श्रम कानून व्यवस्था' के विज़न को साकार करने के लिए, यह आवश्यक है कि केंद्र और सभी राज्य कार्यान्वयन की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ें।

इस बदलाव को प्रभावी बनाने के लिए, कुछ प्राथमिकताएँ उभर कर सामने आती हैं-

पहला, असंगठित श्रमिकों के कवरेज को क्रियान्वित करना। एग्रीगेटर्स के लिए अंशदान दरों की सूचना देना, पारदर्शी नामांकन और लाभ-वितरण प्रणालियाँ स्थापित करना तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक डैशबोर्ड बनाना। प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लिए सिंगापुर के केंद्रीय भविष्य निधि (सीपीएफ) जैसे अंतर्राष्ट्रीय मॉडल, मूल्यवान जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

दूसरा, डिजिटल अवसंरचना को वास्तविक पात्रता में बदलना। ई-श्रम, ईपीएफओ और ईएसआईसी डेटाबेस को लिंक करना, ताकि श्रमिक जहाँ भी जाएँ, लाभ उनके साथ चलें। आधार का उपयोग दूसरी जगह ले जाने की सुविधा (पोर्टेबिलिटी) के लिए किया जाना चाहिए, न कि बहिष्करण के लिए।

तीसरा, जागरूकता और क्षमता का निर्माण। एमएसएमई को संहिताओं को समझने के लिए हेल्प-डेस्क और सरलीकृत मार्गदर्शिकाओं की आवश्यकता है; श्रमिकों को बहुभाषी हेल्पलाइन और जमीनी सहायता की जरूरत होती है। सरकार, उद्योग निकायों और यूनियनों के संयुक्त प्रयास यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि कागज़ पर लिखे अधिकार, लाभ-प्राप्ति में परिवर्तित होंगे।

मूलतः, यह सुधार इस विश्वास पर आधारित है कि काम सुरक्षित होगा और उचित भुगतान किया जाएगा; सामाजिक सुरक्षा श्रमिक के साथ बनी रहेगी और अनुपालन इतना सरल होगा कि सभी इसमें भाग ले सकेंगे। इस संरचना के निर्माण के लिए सरकार प्रशंसा की पात्र है। यदि हम इन्हें गति, पारदर्शिता और सहयोग के साथ कार्यान्वयन करते हैं, तो ये संहिताएँ भारत के अगले विकास अध्याय का आधार बन सकती हैं - व्यवसायों के लिए प्रतिस्पर्धा, श्रमिकों के लिए सम्मानजनक कार्य और निवेशकों के लिए पूर्वानुमानित व्यावसायिक वातावरण।

यही विकसित भारत का सार है - समावेश के साथ विकास और समृद्धि, जो प्रत्येक श्रमिक तक पहुँचती हो।

संपादकीय

2013 से तेजाब की खुली बिक्री पर प्रतिबंध फिर कैसे मिल रहा है?

तमाम कड़े नियम-कानून के बावजूद महिलाओं पर तेजाब से हमला करने की घटनाएं आज भी सामने आ रही हैं। सच यह है कि अगर अब तक सामने आई घटनाओं में पर्याप्त कानूनी सख्ती बरती गई होती, तो इस तरह की वारदात पर लगाम लग सकती थी। देश की राजधानी में बीते रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा पर तेजाब से हमले की पृष्ठभूमि कोई एक दिन में नहीं बनी थी। आरोपी उसका जानकार था और वह काफी समय से उसका पीछा कर रहा था। एक महीने पहले आरोपी ने छात्रा का रास्ता रोका था, तो उनके बीच काफी कहासुनी हुई थी।इस विवाद की जड़ को समझना कोई मुश्किल नहीं है। जाहिर है कि आरोपी युवक किसी हताशा अथवा कुंठा का शिकार था और उसने साथियों के साथ मिल कर घटना को अंजाम दिया। गौरतलब है कि पिछले एक दशक में महिलाओं पर तेजाब हमले की जितनी भी घटनाएं हुई हैं, उनमें अधिकतर आरोपी पीड़ित महिला के जानकार थे या फिर हीनताबोध से उपजी कुंठा के शिकार।इस तरह की घटनाओं में सबसे पहला सवाल यही होना चाहिए कि आखिर किन वजहों से आपराधिक कुंठा का शिकार कोई युवक किसी महिला पर तेजाब फेंकते हुए पूरी तरह बेखौफ रहता है। क्या यह कानून-व्यवस्था और उसका असर शून्य होने का सबूत नहीं है कि अपराधी बिना किसी भय के जघन्य अपराधों को अंजाम देते हैं? कुछ सवाल समाज से भी पूछे जाने चाहिए कि परिवारों में पालन-पोषण के दौरान खासतौर पर लड़कों के भीतर ऐसे मूल्य कौन तैयार करेगा कि उसे महिलाओं या लड़कियों की इच्छा की भी कद्र करनी चाहिए। जबरन किसी से दोस्ती नहीं की जा सकती।अगर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है तो यह उसके भीतर आपराधिक मानसिकता घर कर जाने का सबूत है। शीर्ष अदालत ने वर्ष 2013 में ही तेजाब की खुली बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था, तो यह लोगों को कैसे उपलब्ध हो रहा है? विडंबना यह है कि ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई को लेकर हीलाहवाली होने की वजह से अपराधी मानस वाले युवकों के भीतर दुस्साहस बढ़ता है, जिसका खमियाजा वैसी लड़कियों या महिलाओं को उठाना पड़ता है, जो अपनी पढ़ाई या नौकरी करने घर की दहलीज से बाहर निकलती हैं।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अज़रबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं।

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिये चुनौती

(ललित गर्ग)

भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए।

पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा

रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अज़रबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू-राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने में मदद मिल सकती है।

साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथइस्ट ऐशियन नेशनस् -देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा।

पाकिस्तान की नई विदेश नीति की दिशा साफ है- वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य-पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा-अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए केवल एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है।

इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है।

इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है।आज भारत को यह मानना होगा कि 'सुरक्षा' अब केवल हथियारों का मामला नहीं है, यह अर्थव्यवस्था, कूटनीति, और तकनीक का समन्वित प्रश्न बन चुका है। पाकिस्तान की नई चालें एवं कुचालें हमें केवल सतर्क रहने की नहीं, बल्कि सजग, सक्रिय और रणनीतिक रूप से एक कदम आगे रहने की प्रेरणा देती हैं। भारत यदि अपनी नीति में इस नए दृष्टिकोण को शामिल करता है, तो यह गठजोड़ उसके लिए खतरा नहीं बल्कि आत्मसुधार और आत्मसशक्तिकरण का अवसर साबित हो सकता है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मिलेनियल्स लिखेंगे बिहार की तकदीर

पर वर्तमान हालातों में जेन वाई की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। यह साफ हो जाना चाहिए कि बिहार विधानसभा के चुनावों के लिए जारी वोटर्स की अंतिम लिस्ट में सर्वाधिक वोटर्स जेन वाई यानी मिलेनियल्स ही हैं और इनकी ताकत और समझ को कम करके नहीं आका जा सकता।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

बिहार विधानसभा की चौसर बिछ चुकी है तो चुनावों में हिस्सा ले रहे राजनीतिक दलों और बिहार विधानसभा के चुनावों में उम्मीद्वारों की तस्वीर भी लगभग सामने आ गई है। सौ टके का सवाल अब यह उभर रहा है कि बिहार के वोटर्स एनडीए की सरकार को ही दुबारा चुनेंगे या महागठबंधन को अवसर देंगे। देश में पिछले सालों में हुए चुनावों चाहे वह विधानसभाओं के चुनाव हो या फिर लोकसभा के चुनाव, महिलाओं और फ्लोटिंग वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बिहार विधानसभा के पिछले चुनावों में नीतीश सरकार बनाने में महिला वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है। इस बार भी महिला मतदाताओं की भूमिका को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। पर जो खासबात उभर कर आ रही है वह यह है कि बिहार विधानसभा के चुनावों में नई सरकार की तकदीर लिखने में मिलेनियल्स की खास भूमिका रहेगी। चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची के अनुसार फ्लोटिंग वोटर्स यानी की पहली बार वोट करने वाले वोटर्स चुनाव नतीजों को प्रभावित नहीं कर पायेंगे। इसका कारण भी साफ है और वह यह कि फ्लोटिंग वोटर्स दो प्रतिषत से भी कम है। बिहार के 7 करोड़ 41 हजार से अधिक वोटर्स में से फ्लोटिंग वोटर्स केवल मात्र 14 लाख एक हजार से कुछ ही अधिक है। सर्वाधिक मतदाता मिलेनियल्स यानी कि 1 करोड़ 92 लाख 74 हजार से अधिक है।

मिलेनियल्स या जेन वाई वह पीढ़ी है जिसने बदलती तकनीक के साथ साथ जीवन आरंभ किया है। 30 से 39 साल की यह पीढ़ी डिजिटल दुनिया के विकास के साथ साथ आगे बढ़ी है। इसीलिए इसका खास महत्व हो जाता है।

दरअसल विलियम स्ट्रास और नील होवे की 1991 में प्रकाशित पुस्तक जेनरेशंस में जेनरेशन वाई का पहलीबार प्रयोग हुआ। 1981 से 1996 तक की इस पीढ़ी का विकास तकनीक के विकास के साथ साथ हुआ है। एक तरह से डिजिटल दुनिया का यह संक्रमण काल माना जा सकता है तो देश दुनिया में आर्थिक उदारीकरण का दौर भी लगभग इसी दौरान रहा है। आर्थिक जगत में तेजी से आ रहे बदलाव को इसी पीढ़ी ने अधिक नजदीक से जाना और समझा है। कारण भी साफ है कि आज की कामकाजी आबादी में सबसे अधिक संख्या जेनरेशन मिलेनियल्स ही है। डिजिटल युग का विकास इसी दौर में आगे बढ़ा है तो आर्थिक सुधार और सामाजिक आर्थिक बदलावों से भी यही पीढ़ी अधिक प्रभावित हुई है। इस मायने में देखे तो तकनीक के विकास के इस संक्रमण काल की पीढ़ी हालातों से अधिक रुबरु हुई है। जब से इस पीढ़ी ने हौश संभाला है। यह वो पीढ़ी है जो इंटरनेट, मोबाइल और सोषल मीडिया के साथ साथ बड़ी हुई है।

साफ है कि इस पीढ़ी की राजनीतिक समझ भी अधिक है। वर्तमान हालातों से नजदीक से रुबरु होने के कारण इस पीढ़ी की समझ निश्चित रुप से आज के बिहार के चुनावों को प्रभावित करेगी। हांलाकि आज यह पीढ़ी राजनीतिक मुफ्तखोरी की घोषणाओं के खिलाफ दबी जुवान से ही सही आवाज उठाने लगी है तो इस पीढ़ी की समझ अंडर करंट जैसी होने से यह पीढ़ी बिहार के चुनाव नतीजों को प्रभावित करने में खास भूमिका निभायेगी। हालांकि मोदी के बाद से चुनावों के दौर में फ्लोटिंग वोटर्स यानी की पहलबार मतदान करने वाले किशोर और जेनरेशन जेड़ की मोदी सरकार बनाने में बड़ी भूमिका रही है। माना जाता है कि जेनरेशन जेड़ और फ्लोटिंग वोटर्स में मोदी का क्रेज लगातार देखा जा रहा है।

पर वर्तमान हालातों में जेन वाई की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। यह साफ हो जाना चाहिए कि बिहार विधानसभा के चुनावों के लिए जारी वोटर्स की अंतिम लिस्ट में सर्वाधिक वोटर्स जेन वाई यानी मिलेनियल्स ही हैं और इनकी ताकत और समझ को कम करके नहीं आका जा सकता। यह पीढ़ी हालातों से अधिक नजदीक से रुबरु हुई है। ऐसे में साफ हो जाना चाहिए कि वैसे तो 14 नवंबर को आने वाले रिजल्ट से ही स्पष्ट हो सकेगा कि किसकी सरकार बनती है और कौनसी पीढ़ी या कौनसे फैक्टर्स चुनाव नतीजों को अधिक प्रभावित कर पाते हैं पर इससे दो राय नहीं कि बिहार विधानसभा चुनावों में मिलेनियल्स की भूमिका अहम रहेगी। कोई भी दल या गठबंधन को मिलेनियल्स को कमतर आंकने की गलती करना निश्चित रुप से महंगा पड़ेगा। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5897

संकेतः बाएं से दाएं
1. मैक्सिको की वनीशा पोन्स डिलोन को इस साल की मिस वर्ल्ड चुनी गई। चीन के इस शहर में पिछली वर्ष की विजेता मानुषी छिल्लर ने वनीशा को मिस वर्ल्ड 2018 का ताज पहनाया (2)
3. जयशंकर प्रसाद का प्रसिद्ध काव्य (4)
6. दया करने योग्य (4)
8. माता का वह दुलार जो उसकी संतान पर होता है (3)
10. मनोहर, देखने में सुंदर (4)
11. वाद्य, बाजा (2)
12. तौल की एक सूक्ष्म इकाई जो आठ रत्ती के बराबर होती है (2)
13. पकाकर किया हुआ गन्ने का रस (2)
15. वियोग, अभाव, अविद्यमानता (3)
16. अभिभावक, संरक्षक (5)
19. अरविंद, अंबुज, राजीव (3)
20. एक प्रसिद्ध दर्शनशास्त्री जो ओशो के नाम से प्रसिद्ध हुए (4)
23. अभिरूचि, स्वास्थ्य दशा (1)

ऊपर से नीचे
1. आदर सहित, आदरपूर्वक, इज्जत से (3)
2. इंसाफ, फैसला, जजमेंट (2)
3. स्थिर, मौजूद, ठहरा हुआ (3)
4. हिंदी व्याकरण में एक अलंकार जिसमें एक शब्द की अनेक बार आवृत्ति होने पर भी सबका विभिन्न अर्थ होता है (3)
5. इस कड़वे वृक्ष की छाल औषधि के निर्माण में पयुक्त होती है (2)
7. एक प्रसिद्ध कवि जो फिल्मी गीतकार भी रहे (3)
9. अपने अधिकारों का दुरूपयोग करने वाला (4)
11. इस नदी के तट पर अहमदाबाद और गांधी नगर जैसे प्रमुख शहर बसे हैं (5)
12. रेडियों के आविष्कारक (4)
13. हास्य रसप्रधान रूपक को यह भी कहा जाता है (3)
14. जानवरों के नख, सुम (2)
17. क्षण, लम्हा, समय का छोटा विभाग (2)
18. हैसियन, लेवल, परत (2)
21. पंच तत्वों में से एक, पानी, वारि (2)
22. चंद्रमा, मयंक, रजनीपति (2)

वर्ग पहेली 5896 का हल

स	ब	■	ग्री	स	■	सु	वा
ता	न	से	न	■	बो	ध	क
ना	ना	■	रू	ब	ल	■	या
■	■	क	म	ल	ना	थ	■
त	ला	श	■	भ	■	ल	य
क्ष	मा	■	भ	द्र	ता	■	म
शि	■	सं	ग	■	म	ह	क
ला	वा	■	वा	दा	■	स्त	■

रूस पहुँचे तालिबानी ट्रकों ने मचाया ऐसा तहलका, भारत हैरान भी और खुश भी!

(अभिनय आकाश)

भारत को खुश होने का मौका मिल गया है क्योंकि पाकिस्तान से निपटने के लिए अफगानिस्तान के तालिबान ने भारत के ही एक बेहद शानदार फॉर्मूले पर काम करना शुरू कर दिया है। लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि ये सबकुछ ऐसे वक्त में हो रहा है जब पाकिस्तान अपनी सुरक्षा की गारंटी के लिए तालिबान को कतर के बाद तुर्कीए लेकर पहुंच गया। तालिबान के हाथ बांधने के लिए पाकिस्तान कई मुस्लिम देशों के संपर्क में है। पाकिस्तान कई मुस्लिम देशों का सहारा लेकर तालिबान पर सीजफायर का प्रेशर बना रहा है।

तालिबान ने ट्रकों ने पाकिस्तान में भयंकर बवाल मचा दिया है। तालिबान के ये ट्रक अचानक रूस पहुंच गए हैं। इन ट्रकों को रूस भेज कर तालिबान ने रूस के ही दो एयर डिफेंस सिस्टम को पाकिस्तान की सीमा के पास एक्टिवेट भी कर दिया है। अफगानिस्तान के तालिबान ने जो सामान भरकर इन ट्रकों को रूस भेजा है, उसने पाकिस्तान को गहरे जख्म दिए हैं। भारत को खुश होने का मौका मिल गया है क्योंकि पाकिस्तान से निपटने के लिए अफगानिस्तान के तालिबान ने भारत के ही एक बेहद शानदार फॉर्मूले पर काम करना शुरू कर दिया है। लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि ये सबकुछ ऐसे वक्त में हो रहा है जब पाकिस्तान अपनी सुरक्षा की गारंटी के लिए तालिबान को कतर के बाद तुर्कीए लेकर पहुंच गया। तालिबान के हाथ बांधने के लिए पाकिस्तान कई मुस्लिम देशों के संपर्क में है। पाकिस्तान कई मुस्लिम देशों का सहारा लेकर तालिबान पर सीजफायर का प्रेशर बना रहा है।

लेकिन पहले तो पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तुर्किए की राजधानी इस्तांबुल में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच 15 घंटे से ज्यादा चली शांति वार्ता आखिरकार बेनतीजा रहने की खबर सामने आई। अब खबर है कि तालिबान ने पाकिस्तान पर हमला करने का नायाब तरीका निकाल लिया है। आपको बता दें कि जिस दिन से अफगानिस्तान में भारत ने अपने टेक्निकल मिशन का दर्जा बढ़ाकर उसे दूतावास बना दिया। उसी दिन से पाकिस्तान तालिबान के पीछे हाथ धोकर पड़ा है। लेकिन तालिबान ने पाकिस्तान को कुचलने के लिए ये ट्रक सड़कों पर दौरा दिए। तालिबान ने इन ट्रकों को एक बड़े कूटनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। दरअसल, पाकिस्तान को अलग थलग करने के लिए तालिबान ने 30 साल बाद सड़क के रास्ते रूस में 25 टन अनार भेज दिए।

तालिबान द्वारा संचालित कृषि मंत्रालय ने बताया कि कंधार से अनार की पहली खेप सोमवार को रूस को निर्यात की गई, जिसमें 25 मीट्रिक टन अनार उत्तर-पश्चिमी अफ़गानिस्तान में तोरघुंडी सीमा पार से भेजे गए। मंत्रालय ने आगे कहा कि इस पहल का उद्देश्य रूसी आयातकों के साथ दीर्घकालिक वाणिज्यिक संबंध स्थापित करना है। मंत्रालय के अनुसार, लगभग 25,000 डॉलर मूल्य की इस पायलट खेप का उपयोग रूसी बाजार में मांग और रसद व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए किया जाएगा। मंत्रालय ने आगे कहा कि यदि प्रारंभिक चरण सफल रहा, तो फसल के मौसम के अंत तक 250 टन तक कंधार अनार रूस को निर्यात किए जाएँगे।

कंधार कृषि विभाग के एक तालिबान प्रवक्ता ने कहा कि यह पहली बार है जब हमारे अनार रूसी उपभोक्ताओं तक पहुँच रहे हैं। यह अफ़गानिस्तान के फल निर्यात में विविधता लाने और नए व्यापार गलियारे खोलने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

आज का राशिफल

मेष

आज प्रॉपर्टी से जुड़े कार्यों में लाभ मिलता दिख रहा है। जमीन-जायदाद में निवेश पर अच्छा मुनाफा हो सकता है। सामाजिक स्तर पर आपका मान बढ़ेगा। इस दौरान किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग मिल सकता है। शासन या प्रशासन से जुड़े कार्यों में लाभ मिलने की संभावना है। आज के दिन परिवार का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

वृष

आज उत्साह और आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। राशि स्वामी शुक्र शुभ फल दे रहे हैं, जिससे भाग्य का साथ मिलेगा। कामकाज में सफलता प्राप्त होगी। इस दौरान धन लाभ के योग बन रहे हैं। मकर राशि का चंद्रमा आपकी ऊर्जा को बढ़ाएगा, जिससे आप चुनौतियों का सामना आसानी से कर पाएंगे। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

मिथुन

आज अपने व्यवहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी बात को बिना सोचे समझे कहना गलतफहमी पैदा कर सकता है। कार्यस्थल पर संयम और धैर्य बनाए रखें। आर्थिक दृष्टि से दिन अनुकूल रहेगा। रुका हुए धन के आज वापस मिलने की संभावना है।

कर्क

आज दिन थोड़ा परेशान करने वाला है। आज परिवार के छोटे सदस्यों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में मेहनत का सीधा लाभ मिलेगा। हालांकि इस दौरान प्रतिस्पर्धा अधिक रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो सकती है।

सिंह

आज का दिन परोपकार और धार्मिक कार्यों में बीतेगा। समाज सेवा से जुड़ी गतिविधियों में हिस्सा ले सकते हैं। आपके दयालु और नेतृत्व क्षमता की आज सराहना होगी। लंबे समय से लंबित कार्य आज गति पकड़ेंगे और कुछ योजनाएं लाभ देना शुरू करेंगी। धन लाभ के मजबूत योग बन रहे हैं।

कन्या

आज भाग्य पूरा साथ देगा। इस दौरान लंबे समय से चली आ रही परेशानियां भी दूर होंगी। आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा और किसी पुरानी बीमारी से छुटकारा मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी सूझबूझ और कार्यकुशलता की प्रशंसा होगी। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

तुला

आज शिक्षा और ज्ञान में उन्नति का दिन है। नई स्किल सीखने के लिए अच्छा दिन है। करियर में परिवर्तन के अवसर मिलते हुए दिख रहे हैं। ये परिवर्तन आपके भविष्य के लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। पिता तुल्य व्यक्तियों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

वृश्चिक

आज आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। वृश्चिक राशि वालों के खर्चे बढ़ने की संभावना है। अधिक जिम्मेदारियों के कारण तनाव महसूस हो सकता है। संतान की सफलता से मन प्रसन्न रहेगा। इस दौरान आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी रणनीतियां सफल होंगी।

धनु

आज भाग्य मजबूत रहेगा। इस दौरान आपके रुके कार्य पूरे होंगे। करियर में महत्वपूर्ण उपलब्धि मिल सकती है। सरकारी कार्यों में सफलता के संकेत भी नजर आ रहे हैं। प्रतिष्ठित व्यक्तियों का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण रहेगा। जीवनसाथी का कदम-कदम पर साथ मिलेगा।

मकर

आज धन लाभ के शुभ योग बन रहे हैं। पूर्वजों की वित्तीय से लाभ मिलने की संभावना है। किसी पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। ज्योतिष की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास से बचें और अनावश्यक बहस से दूर रहें।

कुंभ

आज आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं। कुंभ राशि के लोगों की योजनाएं आज सफल होंगी और व्यापार में लाभ मिलेगा। नए लोगों से जुड़ाव फायदेमंद साबित होगा। मित्रों और सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। इस दौरान प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

मीन

आज आपकी संपत्ति और धन में वृद्धि के शुभ संकेत नजर आ रहे हैं। मीन राशि वालों को आज ननिहाल पक्ष से सम्मान और सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। जीवनसाथी का साथ और समर्थन मिलेगा, जिससे दांपत्य जीवन मजबूत होगा। नौकरीपेशा लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

पीएम मोदी नौपरिवहन पर कॉन्क्लेव को करेंगे संबोधित, 85 से ज्यादा देश ले रहे हिस्सा

मुंबई, एजेंसी। भारत समुद्री सप्ताह 2025 का आयोजन मुंबई में हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज समुद्री नेताओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। मोदी आज शाम वैश्विक समुद्री सीईओ फोरम की अध्यक्षता भी करेंगे। इसमें 85 से ज्यादा देश, एक लाख से ज्यादा प्रतिनिधि और 500 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मुंबई पहुंच रहे हैं। मोदी भारत समुद्री सप्ताह 2025 में भाग लेंगे। भारत समुद्री सप्ताह में 85 से ज्यादा देश, एक लाख से ज्यादा प्रतिनिधि और 500 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेस्को प्रदर्शनी केंद्र में चल रहे भारत समुद्री सप्ताह 2025 में समुद्री नेताओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। मोदी आज शाम वैश्विक समुद्री सीईओ फोरम की अध्यक्षता भी करेंगे। सोमवार को शुरू हुए पांच दिवसीय आईएमडब्ल्यू 2025 में बंदरगाह अवसंरचना, हरित ऊर्जा और रक्षा जहाज निर्माण के क्षेत्र में नीति निर्माताओं, विचारकों और समुद्री विशेषज्ञों द्वारा विचार-विमर्श किया गया। भारत समुद्री सप्ताह 2025 ने प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्थिरता द्वारा संचालित नीली अर्थव्यवस्था के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। शिखर सम्मेलन के भाग के रूप में, हरित समुद्री, अंतर्देशीय जलमार्ग, समुद्री सुरक्षा, क्रूज और यात्री अर्थव्यवस्था, तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर कई केंद्रित सत्र आयोजित किए गए।

तेल आयात का फैसला कंपनियां खुद करती हैं, रूसी तेल प्रतिबंधों के बीच बीपीसीएल का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की ओर से रूसी तेल प्रतिबंधों के बीच बीपीसीएल का बयान आया है। अधिकारी ने बताया कि तेल रिफाइनरी के लिए तकनीकी-व्यावसायिक रूप से सबसे अधिक व्यवहार्य होता है, केवल बीपीसीएल ही नहीं, बल्कि हर रिफाइन उसे खरीदता है। इसलिए यही हमारा रुख है, चाहे वह रूसी तेल हो या कोई भी अन्य तेल। हम इसी तरह काम करते हैं। सरकारी तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने कहा है कि उसकी कच्चे तेल की खरीद पूरी तरह टेक्नो-कमर्शियल वायबिलिटी पर आधारित होती है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह रूस सहित दुनिया के हर भौगोलिक क्षेत्र से कच्चा तेल खरीदती है। बीपीसीएल के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक संजय खन्ना के अनुसार, आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में रामायपटनम पोर्ट के पास प्रस्तावित ग्रीनफील्ड रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के लिए वर्तमान में विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट (डीएफआर) तैयार की जा रही है। साथ ही परियोजना के लिए जरूरी पर्यावरणीय मंजूरियां हासिल करने की प्रक्रिया भी जारी है। खन्ना ने कहा कि हम हर क्षेत्र से तेल खरीदते हैं और, जो तेल रिफाइनरी के लिए तकनीकी-व्यावसायिक रूप से सबसे अधिक व्यवहार्य होता है, केवल बीपीसीएल ही नहीं, बल्कि हर रिफाइन उसे खरीदता है। इसलिए यही हमारा रुख है, चाहे वह रूसी तेल हो या कोई भी अन्य तेल। हम इसी तरह काम करते हैं। जो भी हमें कंपनी के लिए सबसे अधिक मूल्य दे रहा है, वह विश्वसनीय संचलान सुनिश्चित करता है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को रूस से कच्चे तेल के आयात पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहा कि ये निर्णय देश स्तर पर नहीं, बल्कि संबंधित कंपनी स्तर पर लिए जाते हैं। अधिकारी ने बताया कि कंपनियां कानून के अनुरूप ही यह निर्णय लेती हैं कि सबसे किफायती तेल कौन सा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार की ओर से किसी भी कच्चे तेल के आयातक को यह निर्देश नहीं दिया गया है कि वे रूस से तेल खरीदें या नहीं। खन्ना ने आगे कहा कि 2070 तक देश के लिए नेट जीरो के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, बीपीसीएल ने 2040 तक नेट जीरो की एक विस्तृत योजना तैयार की है।

भारत के सेवा क्षेत्र ने 6 साल में 4 करोड़ रोजगार पैदा किए

नई दिल्ली, एजेंसी।
नीति आयोग द्वारा सोमवार को जारी रिपोर्टों के अनुसार, भारत का सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था के विकास का इंजन बना हुआ है, जो देश के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) का 55त्न से अधिक है और लगभग 18.8 करोड़ लोगों या देश के कार्यबल के लगभग 30त्न को रोजगार देता है.

भारत का सेवा क्षेत्र- जीवीए रुझानों और राज्य-स्तरीय गतिशीलता से अंतर्दृष्टि और भारत का सेवा क्षेत्र- रोजगार रुझानों और राज्य-स्तरीय गतिशीलता से अंतर्दृष्टि शीर्षक वाली दो रिपोर्ट इस बात का सबसे व्यापक विवरण प्रदान करती हैं कि भारत के विकास का सबसे बड़ा इंजन 2011-12 और 2023-24 के बीच पिछले 12 वर्षों में कैसे विकसित हुआ है, और इसे आगे किस दिशा में जाना चाहिए.

विस्तारित रोजगार इंजन

रिपोर्ट दर्शाती हैं कि सेवा क्षेत्र ने पिछले छह वर्षों में 4 करोड़ अतिरिक्त रोजगार पैदा किए हैं, जिससे कुल रोजगार में इसकी हिस्सेदारी 2011-12 के 26.9त्न से बढ़कर 2023-24 में 29.7त्न हो गई है. रोजगार लोच, यानी

आर्थिक विकास का रोजगार में परिवर्तन, में तेज सुधार हुआ है, जो कोविड-19 से पहले 0.35 से बढ़कर बाद में 0.63 हो गया है. यह दर्शाता है कि कोविड के बाद भारत के सेवा क्षेत्र का विस्तार उत्पादन की तुलना में ज्यादा रोजगार पैदा कर रहा है. नीति आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, नौकरी की लोच (लचीलापन) में सुधार दर्शाता है कि भारत का सेवा क्षेत्र अधिक समावेशी और रोजगार सृजित करने वाला बन रहा है. उन्होंने आगे कहा, हम जीडीपी वृद्धि और रोजगार सृजन के बीच मजबूत संबंध देख रहे हैं, विशेष रूप से वित्त, आईटी और डिजिटल समाधान जैसी आधुनिक सेवाओं के क्षेत्र में. इस प्रगति के बावजूद, रिपोर्ट आधुनिक और पारंपरिक सेवाओं के बीच बढ़ती खाई को रेखांकित करती है. आईटी, वित्तीय सेवाएं और पेशेवर परामर्श जैसे उच्च-मूल्य वाले उद्योग इस क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन इनमें केवल लगभग 2.5 करोड़ लोग ही कार्यरत हैं. इस बीच, पारंपरिक क्षेत्र, जैसे व्यापार, खुदरा व्यापार, परिवहन और आतिथ्य, 15.5 करोड़ से ज्यादा श्रमिकों को रोजगार प्रदान करते हैं, जो अक्सर अनौपचारिक और कम वेतन वाले होते हैं. रोजगार की गुणवत्ता प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है. अधिकांश श्रमिकों के पास औपचारिक अनुबंध, स्थिर आय या सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच का अभाव है. रिपोर्ट में कहा गया है, सेवा क्षेत्र में अनौपचारिकता एक चुनौती और अवसर दोनों है, चुनौती इसलिए क्योंकि यह उत्पादकता और कल्याण को सीमित करती है, और अवसर इसलिए क्योंकि औपचारिकता लाखों नए स्थिर रोजगार पैदा कर सकती है.साथ ही, बेहतर बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और डिजिटल पहुंच के जरिये प्रमुख महानगरों के बाहर सेवा समूहों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए.

विनिर्माण के साथ एकीकरण: एक और प्रमुख सुझाव यह है कि उत्पादकता बढ़ाने और अधिक लचीली मूल्य श्रृंखलाएं बनाने के लिए सेवाओं को विनिर्माण के साथ एकीकृत किया जाए. उदाहरण के लिए, औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में रसद, डिजाइन और वित्तीय सेवाओं को और गहराई से समाहित करने से प्रतिस्पर्धा और निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है. रिपोर्ट में नीति निर्माताओं से यह भी आग्रह किया गया है कि वे गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करके औपचारिक रोजगार का विस्तार करें।

क्षेत्रीय और लैंगिक असमानता

ये रिपोर्ट सेवा क्षेत्र के रोजगार की संरचना में गंभीर क्षेत्रीय और लैंगिक असमानताओं को उजागर करती हैं. कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात जैसे दक्षिणी और पश्चिमी राज्य वैश्विक बाजारों से जुड़ी उच्च-मूल्य वाली सेवाओं में अग्रणी हैं, जबकि छोटे राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और लोक प्रशासन पर अधिक निर्भर हैं. लैंगिक असमानताएं भी चौंकाने वाली हैं. सेवाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है और उन्हें कम वेतन मिलता है. ग्रामीण क्षेत्रों में, महिलाओं की आय पुरुषों की आय के आधे से भी कम है, जबकि शहरी क्षेत्रों में वे पुरुषों की आय का लगभग 84त्न कमाती हैं. रिपोर्ट में महिलाओं की भागीदारी और आय बढ़ाने के लिए लक्षित कौशल और सुरक्षा कार्यक्रमों का आह्वान किया गया है, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन और डिजिटल सेवाओं जैसे उभरते क्षेत्रों में.

राज्य-स्तरीय रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित

इन अंतरों को पाटने के लिए, नीति आयोग ने प्रत्येक क्षेत्र की तुलनात्मक खूबियों के अनुरूप एक विभेदित राज्य रणनीति की सिफारिश की है. उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स और लॉजिस्टिक्स सेवाओं का विस्तार कर सकते हैं, जबकि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश इको-टूरिज्म और शिक्षा सेवाओं पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं. रिपोर्ट में कहा गया है, सेवा क्षेत्र में संतुलित और व्यापक आधार वाली वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तर पर नीति तैयार करना महत्वपूर्ण है.

लगातार घट रहे हैं सोने के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने के दाम लगातार कम हो रहे हैं। दिवाली में सोने की कीमत 1,32,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई थी। लेकिन दिवाली के बाद से ही इसमें लगातार गिरावट आ रही है। अब सोने की कीमत 119,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब हो गई है। इसमें हो रही गिरावट को देख इसे खरीदने के बारे में सोच रहे हैं। क्योंकि अभी शादी का सीजन भी नजदीक है। लेकिन क्या अभी सोना खरीदना ठीक है। आइए समझते हैं। हमने ये सवाल कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया से पूछा। उन्होंने कहा कि अगर आप इसे शादी के लिए खरीद रहे हैं, तो इसे अभी खरीद लें। इसमें गिरावट का इंतजार न करें। ऐसा भी हो सकता है कि कोई तीन या चार साल में शादी का प्लान कर रहो, लेकिन बढ़ती कीमत को देख अभी खरीदने का फैसला लें, तो ऐसे में उसे क्या करना चाहिए। इस सवाल पर अजय केडिया ने कहा कि ऐसे में व्यक्ति गोल्ड ईटीएफ में पैसा लगा सकता है। जितना भी रिटर्न उसे गोल्ड में मिलना होगा, वो उसे ईटीएफ से मिल जाएगा। इसका मतलब हुआ कि जितना गोल्ड बढ़ेगा, वो उस व्यक्ति को रिटर्न के रूप में मिल जाएगा। इस तरह से वे बाद में भी गोल्ड आसानी से खरीद सकता है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस साल निवेश के उद्देश्य से देखें तो गोल्ड 70 से 80 फीसदी रिटर्न दे चुका है। इसका कारण साल भर में होने वाली विश्व अस्थिरता है। ये अस्थिरता गोल्ड को सपोर्ट करती रही। हालांकि अगर अगले साल कुछ ऐसी अस्थिरता नहीं बनती, तो गोल्ड में मामूली तेजी देखी जाएगी। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया ने बताया कि अगर आगे भी कोई बड़ी विश्व अस्थिरता न रही तो सोने की कीमत 1,05,000-1,08,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच सकती है।

लेंसकार्ट के शेयरों की बढ़ती डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी।
लेंसकार्ट का आईपीओ आने से पहले एसबीआई म्यूचुअल फंड ने इस कंपनी पर बड़ा दांव लगाया है। दरअसल, एक रिपोर्ट में रेगुलेटरी फाइलिंग के विश्लेषण से पता चला है कि एसबीआई म्यूचुअल फंड ने लेंसकार्ट में पब्लिक इश्यू आने से पहले 100 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले डीमार्ट के फाउंडर और अरबपति निवेशक राधाकिशन दमानी भी प्री-आईपीओ ट्रांजेक्शन में लेंसकार्ट के 90 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीद चुके हैं। इस निवेश से लेंसकार्ट का मूल्य लगभग 7.7 बिलियन डॉलर आंका जा रहा है, जो भारत के सबसे बड़े घरेलू फंड हाउस में से एक एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा एक अहमण प्री-आईपीओ एंट्री है। यह निवेश एसबीआई एमएफ के दो ऑप्शनल इन्वेस्टमेंट फंड्स- एसबीआई ऑप्टिमल इक्विटी फंड और एसबीआई इमर्जेंट फंड के माध्यम से किया गया, जिन्होंने कंपनी की एक प्रमोटर नेहा बंसल से 402 रुपये प्रति शेयर की दर से 24.87 लाख शेयर खरीदे। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कुल लेनदेन मूल्य 100 करोड़ रुपये रहा। लेंसकार्ट का एंकर राउंड 29 अक्टूबर को खुलेगा, जिसके बाद 31 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच यह आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए ओपन होगा। कंपनी का लक्ष्य नए इश्यू और मौजूदा निवेशकों द्वारा 12.76 करोड़ शेयरों के ऑफर फॉर सेल के जरिए 2150 करोड़ रुपये जुटाना है। लेंसकार्ट ने वित्त वर्ष 2025 में 297 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया है, जबकि वित्त वर्ष 2024 में उसे 10 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वहीं, कंपनी का रेवेन्यू साल-दर-साल 23 प्रतिशत बढ़कर 6,652 करोड़ रुपये हो गया। जून 2025 तिमाही (वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही) में, इसने 1,894.5 करोड़ रुपये के राजस्व पर 61.2 करोड़ रुपये का प्रॉफिट दिखाया था।

अमेजन ने शुरू की अब तक की सबसे बड़ी छंटनी 30,000 कॉर्पोरेट कर्मचारियों की नौकरी खतरे में

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेज़न अपने इतिहास की सबसे बड़ी कॉर्पोरेट छंटनी की तैयारी में है, जिससे 30,000 कर्मचारियों पर असर पड़ने का अनुमान है। सीईओ एंडी जैसी के अनावश्यक नौकरशाही घटाने और एआई-आधारित स्वचालित प्रणालियों के उपयोग पर जोर के चलते यह कदम लागत कम करने और प्रक्रियाओं को तेज बनाने का एक रणनीतिक प्रयास है। यह तकनीकी क्षेत्र में एआई के बढ़ते प्रभाव को उजागर करता है।

दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक ई-कॉमर्स कंपनी अमेज़न एक बार फिर अपने कॉर्पोरेट कर्मचारियों की भारी छंटनी की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि यह अब तक का कंपनी इतिहास का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट लेवल लेऑफ हो सकता है। मौजूद जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह से ईमेल के ज़रिए कर्मचारियों को छंटनी की आधिकारिक सूचना भेजी जाएगी। अनुमान है कि इस दौर में लगभग 30,000 कॉर्पोरेट कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं, जबकि कंपनी की ओर से इस संबंध में अभी कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बता दें कि अमेज़न पहले ही

2022 में करीब 27,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल चुका है। अमेज़न फिलहाल अमेरिका की दूसरी सबसे बड़ी प्राइवेट नियोक्ता कंपनी है, जिसके पास दुनियाभर में 1.54 मिलियन से ज्यादा कर्मचारी हैं, जिनमें से लगभग 3.5 लाख कॉर्पोरेट स्टाफ हैं। गौरतलब है कि पिछले दो सालों से कंपनी लगातार कई विभागों जैसे कम्युनिकेशन, पॉडकास्टिंग, ऑपरेशंस और डिवाइसेस में छंटनी करती आ रही है। सूत्रों के मुताबिक इस बार की छंटनी उन विभागों को भी प्रभावित करेगी जो पीपल एक्सपीरियंस एंड टेक्नोलॉजी, अमेज़न वेब सर्विसेज़ और इंटरनल ऑपरेशंस से जुड़े हैं। जानकारी यह भी सामने आई है कि सोमवार को कंपनी ने संबंधित टीमों के मैनेजर्स को एक विशेष ट्रेनिंग दी, ताकि वे ईमेल नोटिफिकेशन के बाद कर्मचारियों से सही तरीके से संवाद कर सकें।

शेयर बाजार में आईपीओ का बूम, 89 कंपनियों ने जुटाए 1.25 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। 89 कंपनियों ने इस साल आईपीओ से 1.25 लाख करोड़ रुपये जुटाए। नवंबर में लेंसकार्ट, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, ग्रो और बोट के बड़े इश्यू आने वाले हैं। घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच इस साल 89 कंपनियों ने आईपीओ बाजार से 1.25 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें से अकेले अक्तूबर में 12 कंपनियों ने 38,300 करोड़ से ज्यादा की रकम जुटाई हैं। महीने का अंतिम इश्यू ओर्क्ला का होगा, जो 1,667 करोड़ का है। सेकंडरी बाजार में इस महीने अच्छी खासी तेजी रही और इसी आधार पर नवंबर में 40,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई गई है। स्टॉक एक्सचेंजों के मुताबिक, लेंसकार्ट का 7,700 करोड़ रुपये का आईपीओ नवंबर का पहला इश्यू होगा। नवंबर में जो बड़े आईपीओ आने वाले हैं उसमें आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल (10,000 करोड़), ग्रो (7,000 करोड़), बोट (2,000 करोड़) और पाइनलैब 5,800 करोड़ रुपये हैं। इनके अलावा फिजिक्सवाला 3,870 करोड़, प्रेस्टिज 2,500 करोड़ और पार्क मेडि भी इश्यू लाने की कतार में हैं। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, इस साल अक्तूबर और नवंबर में ही करीब 80,000 करोड़ रुपये जुटाए जाने की उम्मीद है। दिसंबर तक कुल दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम कंपनियां जुटा सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो यह अब तक का रिकॉर्ड होगा। आईपीओ के इतिहास में अब तक सबसे अधिक रकम पिछले साल 1.59 लाख करोड़ रुपये जुटाई गई थी। तब 91 कंपनियों की शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई थी। हालांकि, हाल के दिनों में अगर एलजी के इश्यू को छोड़ दें तो बड़े आईपीओ को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला है। एलजी का 11,600 करोड़ का निर्गम 52 गुना से ज्यादा भरा था और शेयर भी 50 फीसदी से ज्यादा भाव पर लिस्ट हुआ था।

छोटी और मझोली यानी एसएमई कंपनियां भी पैसा जुटाने में पीछे नहीं हैं। इस साल जनवरी से अब तक इन्होंने बाजार से 9,449 करोड़ रुपये जुटाए। यह किसी भी साल में अब तक का रिकॉर्ड है।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने कस्टम सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस के संयुक्त विकास हेतु समझौता किया

हैदराबाद, एजेंसी। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीएसई- 532850, एनएसई- एमआईसीईएल), जो एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, विकास और निर्माण में वैश्विक अग्रणी कंपनी है, ने घोषणा की है कि कंपनी ने चिपिक्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता दोनों कंपनियों के बीच एक सहयोगी ढांचा स्थापित करता है, जिसके तहत एमआईसी के उत्पाद रोडमैप के अनुरूप कस्टम सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस का संयुक्त विकास किया जाएगा। इस साझेदारी के माध्यम से एमआईसी का उद्देश्य मानक कंपोनेंट्स के स्थान पर संयुक्त रूप से विकसित कस्टम सिलिकॉन का उपयोग करके उत्पादों की विशिष्टता, प्रदर्शन और दीर्घकालिक आपूर्ति स्थिरता को बढ़ाना है।कंपनी ने आगे बताया कि इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य चिपिक्स (चिप डेवलपमेंट पार्टनर) और एमआईसी (ओईएम पार्टनर) के बीच एक रणनीतिक और सहयोगी ढांचा बनाना है, ताकि दोनों पक्ष संयुक्त रूप से कस्टम सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस की पहचान, परिभाषा, डिजाइन और विकास पर कार्य कर सकें, जो एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स के उत्पाद रोडमैप का समर्थन और अनुपालन करता हो। इस सहयोग के माध्यम से दोनों कंपनियाँ अपनी तकनीकी विशेषज्ञता

और डोमेन अनुभव को मिलाकर एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स के उत्पाद पोर्टफोलियो की विशिष्ट प्रदर्शन, कार्यक्षमता और एकीकरण आवश्यकताओं के अनुसार सिलिकॉन समाधान तैयार करेंगी।संयुक्त रूप से विकसित कस्टम सिलिकॉन के उपयोग से, एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करना चाहता है ङ्कस्वामित्वपूर्ण और अनुकूलित चिप आर्किटेक्चर के माध्यम से उत्पाद में अधिक भिन्नता।सभी एप्लीकेशन डोमेनों में बेहतर सिस्टम प्रदर्शन और ऊर्जा दक्षता।दीर्घकालिक आपूर्ति और डिजाइन स्वामित्व के माध्यम से वैश्विक बाजारों में स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मकता।हाल ही में, कंपनी के बोर्ड की प्रबंधन समिति की बैठक में यह नोट किया गया कि एम/एस एसओए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग एलएलसी, दुबई (जो कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई है) ने एम/एस सेल्युलर गैलेक्सी इलेक्ट्रॉनिक्स एलएलसी, दुबई में लगभग 53.8 करोड़ रुपये का निवेश किया है, और संबंधित प्राधिकरणों द्वारा इस निवेश की स्वीकृति और आवश्यक दस्तावेज जारी कर दिए गए हैं।इससे पहले, कंपनी ने सिंगापुर की इकाई टॉप2 पीटीई लिमिटेड के साथ भी एक समझौता ज्ञापन किया था, ताकि ताइवान में एक उपयुक्त सेमीकंडक्टर पार्टनर की पहचान और अंतिम चयन किया जा सके।

बोतल बनाते-बनाते बनाने लगी पेप्सी, अब शराब के धंधे में कूदी ये कंपनी; शेयरों में उछाल, मुनाफा बढ़कर हुआ 741 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी।
वरुण बेवरेजेज लिमिटेड का नाम तो आप सभी ने सुना होगा। शुरुआत में यह कंपनी अन्य कंपनियों के लिए बोतल बनाया करती थी। फिर धीरे-धीरे करके इस कंपनी ने पेप्सी के लिए कोल्ड ड्रिंक बनाने लगी। और अब इस कंपनी ने एलान किया है कि वह अब एल्कोहलिक ड्रिंक भी बनाएगी। यानी कंपनी अब शराब के बिजनेस में भी एंट्री कर चुकी है। डुङ्कइह्लह्वठ्ठ ब्क्क्र1दृह्लड्डद्दद्गह्य ने आज अपने नतीजे भी जारी किए। वरुण बेवरेजेज ने बुधवार, 29 अक्टूबर को कैलेंडर वर्ष 2025 की सितंबर तिमाही में अपने कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट में साल-दर-साल 19.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की और यह 741 करोड़ रहा। पिछले साल इसी तिमाही में इसका नेट प्रॉफिट 619.6 करोड़ था।

वीबीएल ने कुछ अफ्रीकी बाजारों के लिए कार्ल्सबर्ग अरीज ्/स के साथ एक एक्सक्लूसिव डिस्ट्रीब्यूशन एग्रीमेंट साइन किया है। इस डील के जरिए, वीबीएल की कुछ अफ्रीकी सब्सिडियरी कंपनियों अपने इलाकों में कार्ल्सबर्ग बीयर का टेस्ट-मार्केटिंग करेंगी। कंपनी ने कहा कि यह कदम ग्लोबल मार्केट में रेडी-टू-ड्रिंक और दूसरे अल्कोहलिक बेवरेजेस की बढ़ती डिमांड के हिसाब से है। कंपनी इस पार्टनरशिप को सॉफ्ट ड्रिंक्स से आगे अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई करने के एक बड़े मौके के तौर पर देखती है, जिसमें भारत और विदेश दोनों जगह बीयर, वाइन, व्हिस्की, रम, वोदका और दूसरे अल्कोहलिक बेवरेजेस शामिल हैं।

बुधवार को बोर्ड ने कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन के मेन ऑब्जेक्ट्स में अल्कोहलिक बेवरेज बिज़नेस को जोड़ने के प्लान को मंजूरी दे दी। एक बयान में कहा गया है, रेडी टू ड्रिंक और तरह-तरह के अल्कोहलिक बेवरेजेज की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, वीबीएल को भारत और विदेश में किसी भी तरह के आरटीडी और अल्कोहलिक बेवरेजेज, जिसमें बीयर, वाइन, लिकर, ब्रांडी, व्हिस्की, जिन, रम, वोदका शामिल हैं, के बिजनेस में विस्तार का मौका दिख रहा है।

वीबीएल की कुछ अफ्रीकी सब्सिडियरी अब अपने इलाकों में बीयर मार्केट को टेस्ट करेंगी और उन्होंने अपने ब्रांड - कार्ल्सबर्ग के लिए कार्ल्सबर्ग ब्रुअरीज ्/स के साथ एक एक्सक्लूसिव डिस्ट्रीब्यूशन एग्रीमेंट किया है।वरुण बेवरेजेज पेप्सिको की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी में से एक है। यह कई तरह के कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स के साथ-साथ पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर समेत कई तरह के नॉन-कार्बोनेटेड बेवरेजेज भी डिस्ट्रीब्यूट करती है।

फूड और बेवरेज की बड़ी कंपनी पेप्सिको लिमिटेड के सबसे बड़े बॉटलिंग पार्टनर में से एक वरुण बेवरेजेज लिमिटेड ने बुधवार, 29 अक्टूबर को अपने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए।

त्योहारी सीजन में जीएसटी बचत से बढ़ी कारों की बिक्री; लोगों ने अपग्रेड मॉडल और एसयूवी को दी प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार की ओर से जीएसटी दरों में कटौती का फायदा उठाते हुए लोगों ने त्योहारी सीजन में न सिर्फ जमकर कारें खरीदी, बल्कि छूट का इस्तेमाल बेहतर और अपग्रेड मॉडल के वाहन खरीदने में किया। बाजार अनुसंधान मंच स्मिटेनपल्स एआई की ओर से कराए गए अध्ययन से पता चलता है कि जीएसटी दरों मे कटौती की वजह से उन खरीदारों ने त्योहारों में स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की खरीदारी की, जो पहले छोटी कारें खरीदने की योजना बना रहे थे।

इसके अलावा, बुनियादी ढांचे की कमियों के बावजूद पर्यावरण के प्रति जागरूकता इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति लोगों के रुझान में तेजी से वृद्धि का कारण रही। अध्ययन के मुताबिक, करीब 79 उत्तरदाताओं ने कहा, वे जीएसटी बचत का इस्तेमाल उच्च मॉडल, बेहतर ब्रांड या प्रीमियम ऐड-ऑन खरीदने में कर रहे हैं। वहीं, 60 फीसदी से अधिक लोगों ने पसंदीदा ब्रांड के अपग्रेड मॉडल खरीदे।46 फीसदी लोगों ने हैचबैक की जगह एसयूवी जैसे बड़े आकार वाली कारें खरीदी। अध्ययन में कहा गया, जीएसटी कटौती से त्योहारों में वाहनों की मांग को रफ्तार मिली।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला छावनी द्वारा ई-नीलामी की जाएगी, जिसका विवरण सारणीबद्ध है-

क्र. सं.	कैटगरी एवं विवरण	ई-कैटलॉग	रेलवे स्टेशन के नाम	ई-नीलामी की तिथि और समय
1.	02 रेलवे स्टेशन पर, पे एवं यूज शौचालय के संचालन एवं रख-रखाव के ठेका	UMB-Mix-34-2025	धुरी और कालका रेलवे स्टेशन	03.11.2025 को 15:00 बजे

ई-नीलामी लीजिंग आमंत्रण सूचना, नीलामी प्रपत्र, एक बार पंजीकरण व अधिक जानकारी हेतु, रेलवे वेबसाईट www.ireps.gov.in पर जाये। 3348/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

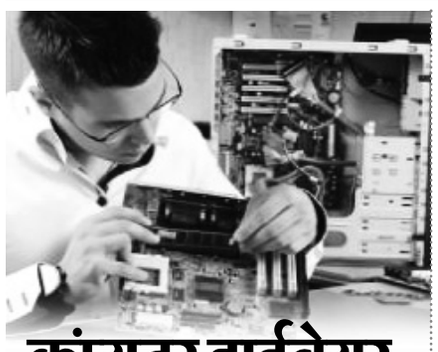

कंप्यूटर हार्डवेयर में अवसरों की कमी नहीं

पिछले दो दशक में अगर किसी क्षेत्र में सबसे ज्यादा विकास और कामकाज को लेकर निर्भरता बढ़ी है तो वह कंप्यूटर है। दरअसल कंप्यूटर आज हर एक की जिंदगी में इस तरह से पैठ बना चुका है कि इसके बिना कोई काम नहीं हो सकता। यह संभव है कि आपको कंप्यूटर का संचालन करना नहीं आता हो लेकिन समय पडने पर इसे सीखना आवश्यक होता जा रहा है। ऐसे में कंप्यूटर का रख-रखाव भी अहम हो जाता है। जब भी कभी इसमें खराबी आ जाती है तो इसे ठीक करने का काम कंप्यूटर हार्डवेयर प्रोफेशनल्स करते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर क्या है

कंप्यूटर के कलपुर्जों को सम्मिलित रूप से हार्डवेयर कहा जाता है। हार्डवेयर तकनीक के अंतर्गत इसके निर्माण और रख-रखाव की जानकारी दी जाती है। इसे दो भागों में बांटा जा सकता है। कार्ड लेवल और चिप लेवल। दरअसल, सभी कंप्यूटर उपकरणों में कई तरह के कार्ड लगे होते हैं, जिनमें कई चिप होती हैं। पहले किसी भी चिप में कोई खराबी होने पर पूरे कार्ड को बदल दिया जाता था। इसे 'कार्ड लेवल हार्डवेयर तकनीक कहते हैं। इसमें लगने वाले कार्ड काफी महंगे होते हैं, इस कारण यह तकनीक काफी महंगी है। अब जब से कार्ड में लगे चिप को बदलने की तकनीक विकसित हो चुकी है तो कंप्यूटर में इससे संबंधित किसी भी तरह की खराबी आने पर कार्ड में लगे चिप को बदलकर ही खराबी दूर कर दी जाती है। कार्ड के मुकाबले चिप काफी सस्ती पड़ती है। इसके कारण यह तकनीक काफी लोकप्रिय है।

योग्यता

कई पॉलिटेक्निक और निजी संस्थानों द्वारा चिप लेवल हार्डवेयर में डिप्लोमा का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की अवधि एक से तीन वर्ष के बीच होती है। इन कोर्सेज में प्रवेश के लिए योग्यता बारहवीं पास है, जबकि पॉलिटेक्निक में दसवीं के बाद ही प्रवेश लिया जा सकता है। अधिकतर जगहों पर दाखिला प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होता है। कुछ निजी संस्थान बारहवीं के अंकों के आधार पर भी प्रवेश देते हैं।

संभावनाएं

कंप्यूटर और उसके उपभोक्ताओं की लगातार बढ़ती संख्या के साथ ही हार्डवेयर इंजीनियरों की मांग भी काफी तेजी से बढ़ी है। निजी संस्थानों और कार्यालयों में कंप्यूटर के बिना काम करने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कंप्यूटर में थोड़ी-सी गड़बड़ी लाखों का नुकसान करा सकती है, इसलिए निजी कंपनियों और सरकारी कार्यालयों में पर्याप्त संख्या में हार्डवेयर प्रोफेशनल नियुक्त किए जाते हैं। घरों, दुकानों आदि में कंप्यूटर के बढ़ते प्रयोग के कारण स्वतंत्र रूप से रिपेयरिंग का काम करके काफी आमदनी की जा सकती है। आप हार्डवेयर अपग्रेडेशन में भी टेलीकॉम, मोबाइल और कंप्यूटर से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक गुड्स के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। साथ ही अगर आप नौकरी नहीं करना चाहते हैं तो खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।

वोकेशनल कोर्स के माध्यम से अपने करियर को नए मुकाम तक पहुंचाएं

हर कोई डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस... बनना चाहता है, लेकिन हर किसी का यह सपना पूरा नहीं होता है। लेकिन आप वोकेशनल कोर्स के माध्यम भी अपने करियर को एक नए मुकाम तक पहुंचा सकते हैं।

अगर आप उच्च शिक्षा हासिल करने में फाइनेंशियल रूप से सक्षम नहीं हैं, तो वोकेशनल कोर्सेज आपके लिए बेहतर विकल्प हैं। इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सरकारी और प्राइवेट संस्थानों द्वारा कई तरह के शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म कोर्सेज चलाए जा रहे हैं। इस तरह के कोर्स करने के बाद नौकरी भी आसानी से मिल जाती है।

हेयर स्टाइल

इन दिनों फैशन का खूब पैशन है। इसलिए लोग अपने हेयर स्टाइल के प्रति काफी सजग हो गए हैं। यही वजह है कि बाजार में संभावनाओं को देखते हुए कुछ संस्थानों ने इससे जुड़े कोर्स शुरू कर दिए हैं। आप 10वीं और 12वीं पास करने के बाद इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- पॉलिटेक्निक फॉर वूमन, साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली,
- हबिब्स हेयर एकेडमी, साउथ एक्सटेंशन-2 नई दिल्ली,
- मैन्स वर्ल्ड इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

ब्यूटी कल्चर

फैशन के इस दौर में हर कोई सुंदर दिखना चाहता है और लोगों की इसी चाहत की वजह से ब्यूटी कल्चर का कारोबार काफी बढ़ रहा है। यदि आप ऑफबीट करियर में कदम रखना चाहते हैं, तो ब्यूटी कल्चर से जुड़े कोर्स 10वीं और 12वीं के बाद भी कर सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- अहिमसा वूमन पॉलिटेक्निक, शंकर रोड, नई दिल्ली,
- लोयला इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, लोयला कॉलेज, चेन्नई

फैशन डिजाइनिंग

फैशन डिजाइनिंग का क्षेत्र काफी विस्तृत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां कैरियर के लिए अपार गुंजाइश है। बदलते फैशन की समझ और नए डिजाइन क्रिएट करने की क्षमता आपको इस क्षेत्र में सफल बना सकती है। फैशन की दुनिया में जाने के लिए 10+2 के उपरांत फैशन से संबंधित किसी भी पाठ्यक्रम में एडमिशन ले सकते हैं। फैशन डिजाइनिंग से संबंधित संस्थान तीन वर्ष का डिगरी कोर्स करवाने के साथ-साथ कुछ शार्ट टर्म कोर्स भी करवाते हैं, जो छह महीने से लेकर एक साल तक के हैं। कोर्स पूरा करने के बाद फैशन टेक्नोलॉजी, स्टिचिंग ऑफ गारमेंट्स, गारमेंट टेक्नोलॉजी, अपैरल मर्चेंडाइजिंग को अपैरल कोआर्डिनेटर, रीटेलर, सेल प्रमोशन, फैशन फोटोग्राफी, ड्रेस ऐंड एक्सेसरी डिजाइनर, गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजिस्ट, निटवियर डिजाइनर, टेक्सटाइल आदि के तौर पर नौकरी मिल सकती है। अपैरल पैटर्न मेकिंग का कोर्स दसवीं कक्षा के बाद कर सकते हैं। इसकी अवधि चार से छह माह की है। कपड़ा मंत्रालय के तहत अपैरल एक्सपोर्ट काउंसिल के अंडर में भी अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर से इस कोर्स को किया जा सकता है। फैशन टेक्नोलॉजी का कोर्स करने के बाद आपको सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की गारमेंट कंपनियों, फैशन ब्राडों, टैक्सटाइल मिलों, फैशन संस्थानों में रोजगार मिल सकता है। स्वरोजगार के तौर पर रेडीमेट गार्मेंट बुटीक खोलकर भी कमाई की जा सकती है।

इंस्टीट्यूट

- नेशनल वोकेशनल ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट फॉर वुमेन, नोएडा।

इसके अलावा पॉलीटेक्नीक फॉर वूमेंस संस्थानों से भी ये कोर्स किए जा सकते हैं।

फुटवियर टेक्नोलॉजी ऐंड लेदर गुड्स मेकिंग

फुटवियर टेक्नोलॉजी या लेदर गुड्स में प्रशिक्षण हासिल करके बेहतर करियर बनाया जा सकता है। इसमें डिप्लोमा कोर्स के बाद अच्छी नौकरियां पाई जा सकती हैं। फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग और फुटवियर डिजाइनिंग एक्सपर्टस की मार्केट में काफी डिमांड है। किसी भी स्ट्रीम में बारहवीं पास युवा इन कोर्सेज में प्रवेश पा सकते हैं।

ज्वैलरी डिजाइनिंग

फैशन एसेसरीज में ज्वैलरी हमेशा से ही हॉट डिमांड में रही है। इस क्षेत्र में मुख्य काम ज्वेलरी मेकिंग, डिजाइनिंग आदि है। इसके अलावा, वैलरी डिजाइन, स्टोन कटिंग ऐंड इनेमलिंग, जेमोलॉजी कॉस्टिंग टेक्नोलॉजी, आईडेंटीफिकेशन ऑफ स्टोन ऐंड जेम्स आदि पाठ्यक्रम भी किए जा सकते हैं। इसमें रत्नों की शुद्धता मापने, रत्नों का चुनाव, मूल्य,काटने-तराशने का ज्ञान, कास्टिंग, सैटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग तथा सोल्डरिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं है। कोर्स करने के बाद किसी भी ज्वैलरी कंपनी से जुडकर काम की शुरुआत कर सकते हैं। इसकी पढ़ाई दिल्ली, जयपुर और नोएडा के अलावा कई शहरों में होती है।

इंटीरियर डिजाइनिंग

घर हो, दफ्तर, होटल या शोरूम, इनको डिफरेंट लुक देने का काम इंटीरियर डिजाइनर का होता है। इंटीरियर डिजाइनर स्थान की साज-स'जा के अलावा जगह का भी प्लान करता है। वे कस्टमर की रुचि, बजट तथा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी रूपरेखा तैयार करते हैं। इसमें दीवार, फर्श, छत की स'जा, फर्नीचर और दूसरी सामग्रियों की जमावट, विंडो ट्रीटमेंट, लाइटिंग, विजुअल और साउंड इफेक्ट्स आदि शामिल होते हैं। एक अच्छा इंटीरियर डिजाइनर बनने के लिए कल्पनाशीलता और रचनात्मकता बेहद जरूरी गुण है। इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता बारहवीं है। यूं तो इंटीरियर डिजाइनिंग में तीन साल के भी कोर्स हैं, लेकिन करियर बनाने के लिए आर्किटेक्चर में पांच वर्षीय डिगरी कोर्स बेहतर होता है। साइंस स्ट्रीम के बारहवीं पास स्टूडेंट्स इंटीरियर डिजाइनिंग के डिगरी पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं, जबकि कला स्ट्रीम के छात्र एक से दो साल का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। अधिकांश शहरों के पॉलीटेक्निक और वोकेशनल ट्रेनिंग स्कूलों में ये कोर्स कराए जाते हैं। यह कोर्स करने के बाद विभिन्न इंटीरियर डिजाइनिंग संस्थानों, आर्किटेक्ट फर्म, कंसल्टेंसी फर्म या बिल्डर और कॉन्ट्रैक्टर के साथ काम कर सकते हैं। इसके अलावा बड़े होटलों, हॉस्पिटल्स, शॉपिंग मॉल या डिजाइन स्टूडियो और फर्नीचर स्टोर्स में डिजाइन कंसल्टेंट की जरूरत होती है। खुद का उद्यम भी शुरू कर सकते हैं।

क्रिमिनोलॉजिस्ट चुनौतियों भरा कॅरियर

टेक्नोलॉजी में तेजी से आई प्रगति से सिर्फ सुविधाएं ही नहीं, बल्कि अपराध भी बढ़ रहे है और इसी के साथ बढ़ रही है अपराधों की छानबीन के क्षेत्र में करियर की प्रबल संभावनाएं भी।

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम है घटना स्थल से अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाने में जांच दल की मदद करना। विशेषज्ञों के अनुसार, बेशक यह जॉब चैलेंजिंग है, परंतु तेजी से लोकप्रिय हो रहा करियर विकल्प भी है। फोरेंसिक साइंस की सभी शाखाओं में इसके विशेषज्ञों की हमेशा मांग रहती है। केंद्रीय व राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही 24 फोरेंसिक लैब में विशेषज्ञों की भर्ती संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है। फोरेंसिक मेडिसिन के विशेषज्ञों को सभी मेडिकल कालेजों, शोध संस्थानों में मौका दिया जाता है। अपराध अनुसंधान से संबंधित सभी लैबों में फोरेंसिक विज्ञान की शाखाओं के लिए अलग-अलग विभागों में विशेषज्ञों की मांग हमेशा बनी रहती है। क्रिमिनोलॉजी विशेषज्ञों के लिए सीबीआई और आईबी में भी मौके होते हैं। यह करियर रोमांच और चुनौतियों से भरा है। अगर आप अपने जीवन में जोखिम को तवज्जो देते हैं तो आप इस करियर से नाता जोड़ सकते हैं। आप इस करियर में जितनी मेहनत करेंगे, उतना ही मेहनताना और मान-सम्मान भी पाएंगे।

उपलब्ध कोर्स

- बीए/बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी (3 वर्ष)
- एमए/एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी (2 वर्ष)
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी (1 वर्ष)

कैसे मिलेगा दाखिला

क्रिमिनोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए बीए या बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी में दाखिला ले सकते हैं, जिसकी अवधि 3 वर्ष है। इसके लिए आर्ट या साइंस में बारहवीं पास होना अनिवार्य है। इसके अलावा, पोस्ट ग्रेजुएट, डिग्री या डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी भी कर सकते हैं, जिसके लिए आर्ट या साइंस विषय में स्नातक डिग्री आवश्यक है।

कार्य

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम अपराध से संबंधित परिस्थितियों का अध्ययन करना, अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाना और अपराध करने का कारण तथा समाज पर इसका प्रभाव जानना होता है। क्रिमिनोलॉजिस्ट समाज को अपराध से बचाने में मदद भी करता है।

संभावनाएं

आज जिस तरह से क्राइम बढ़ रहा है, उसे देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि सन् 2014 तक इस क्षेत्र में ऐसे प्रोफेशनल्स की बहुत जरूरत पड़ेगी। क्रिमिनोलॉजिस्ट पब्लिक व प्राइवेट कंपनियों, सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट, एनजीओ, रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन, प्राइवेट सिक्योरिटी तथा डिटेक्टिव एजेंसियों में रोजगार प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा, क्रिमिनोलॉजिस्ट काउंसलर तथा फ्रीलांसर के तौर पर भी कार्य कर सकता है।

किस तरह के मिलते हैं जॉब

क्रिमिनोलॉजी से कोर्स करने के बाद क्राइम इंटेलिजेंस एनालिस्ट, लॉ रिफॉर्म रिसर्चर, कम्यूनिटी करेक्शन कोऑर्डिनेटर, ड्रग पॉलिसी एडवाइजर, कंज्यूमर एडवोकेट, इनवायरनमेंट प्रोटेक्शन एनालिस्ट के पद पर कार्य कर सकते हैं।

आवश्यक गुण

कानून व्यवस्था पर आस्था और जिज्ञासा एक सफल क्रिमिनोलाजिस्ट बनने के लिए सबसे आवश्यक गुण होते हैं। इसके अलावा, यदि आप लॉजिक व प्रैक्टिकल सोच रखते हैं तथा टीम भावना के साथ काम कर सकते हैं, तो आप आसानी से इस फील्ड से जुडक़र नाम कमा सकते हैं।

सैलॅरी पैकेज

भारत में एक क्रिमिनोलॉजिस्ट शुरुआती स्तर पर प्रतिमाह 30 से 45 हजार रुपये कमा सकता है। इसके अलावा, फ्रीलांसर के तौर पर वह केस की जरूरत के अनुसार अपनी फीस तय कर सकता है। भारत की तुलना में विदेशों में क्रिमिनोलॉजिस्ट की मांग ज्यादा है।

टोंक के दिव्यांग क्रिकेटर शहजान खान का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

टोंक, एजेंसी। टोंक के एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाले दिव्यांग क्रिकेटर शहजान खान ने अपने अथक प्रयासों और मेहनत से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। शहजान ने राजस्थान टीम की दिव्यांग टीम में अपनी जगह पक्की की और तमिलनाडु में आयोजित राष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार मैचों में 6 विकेट लिए। कोच इम्तियाज अहमद की भूमिका शहजान को तेज गेंदबाजी के गुर सिखाने वाले

कोच इम्तियाज अहमद ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें तेज गेंदबाज के रूप में तैयार किया। शहजान के चयन से टोंक में खुशी की लहर है और उनके कोच इम्तियाज अहमद ने उनकी सफलता का श्रेय उनकी मेहनत और समर्पण को दिया है।

राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए चयन

शहजान का चयन राष्ट्रीय स्तर पर मुंबई, महाराष्ट्र में होने वाले टूर्नामेंट के लिए किया गया है, जो 5 से 7नवंबर से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में शहजान राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे और अपनी तेज गेंदबाजी से विरोधी टीमों को चुनौती देंगे।

परिवार और कोच की खुशी- शहजान के परिवार और कोच इम्तियाज अहमद ने उनके चयन पर खुशी जताई है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। शहजान की इस सफलता से टोंक के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी और वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित होंगे।

कप्तानी से हटाए जाने के बाद बागी हुए मोहम्मद रिजवान

- पीसीबी के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने से किया मना

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने वनडे टीम की कप्तानी से हटाए जाने के बाद बगावत कर दी है। उन्होंने नेशनल प्लेयर्स को दिए गए नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने से मना कर दिया है, क्योंकि उन्हें कैटेगरी बी में रखा गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि रिजवान उन 30 खिलाड़ियों में से अकेले हैं जिन्हें नया कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है और डॉक्यूमेंट पर साइन नहीं किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नए कॉन्ट्रैक्ट देते समय कैटेगरी ए को हटा दिया है। इसमें पहले सिर्फ बाबर आजम, रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी थे। यह कैटेगरी प्लेयर्स को यह साफ मैसेज देने के लिए हटाई गई थी कि बोर्ड पिछले एक साल में उनके प्रदर्शन से खुश नहीं है।

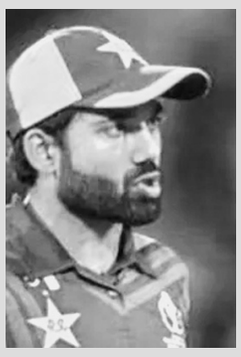

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सामने रखी शर्तें- पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तीन सीनियर खिलाड़ियों समेत 10 खिलाड़ियों को कैटेगरी बी में एक साथ रखा है, लेकिन रिजवान ने हाल ही में बोर्ड को साफ कर दिया है कि वह डॉक्यूमेंट पर तभी साइन करेंगे जब बोर्ड उनकी कुछ शिकायतों पर ध्यान देगा।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले मोहम्मद शमी ने चटकाए 8 विकेट

धाकड़ परफॉर्मेंस के बाद भी आखिर क्यों हैं टीम से बाहर?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी रणजी ट्रॉफी में कमाल दिखा रहे हैं. शमी ने 28 ओवर में 8 विकेट चटकाए. शमी ने रणजी ट्रॉफी में खेले गए पिछले मुकाबले में उत्तराखंड के खिलाफ भी 7 विकेट हासिल किए थे. शमी लगातार रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए धाकड़ गेंदबाजी कर रहे हैं. इसके साथ शमी अपनी दमदार परफॉर्मेंस से टीम इंडिया के सेलेक्टर्स को ये बताना चाहते हैं कि पूरी तरह से फिट हैं और भारतीय टीम में वापसी के लिए भी तैयार हैं. इस समय टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है, जहां 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जानी है. लेकिन शमी इस स्क्वाड का हिस्सा नहीं हैं.

मोहम्मद शमी की धाकड़ गेंदबाजी- बंगाल और गुजरात के बीच ग्रुप स्टेज में चल रहे मुकाबले में मोहम्मद शमी ने 8 विकेट लिए. शमी ने गुजरात की पहली पारी में 18.3 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट लिए. वहीं गुजरात के बल्लेबाज दूसरी पारी में भी शमी के सामने नहीं टिक पाए. शमी ने गुजरात की दूसरी पारी में पांच बल्लेबाजों को वापस पवेलियन भेजा और पांच विकेट हॉल पूरा किया. शमी की इस धमाकेदार गेंदबाजी की वजह से बंगाल ने ये मुकाबला 141 रनों से जीत लिया.

हिम्मत हो तो कुछ भी मुमकिन है

गर्भावस्था में 145 किलो वजन उठाकर दिल्ली पुलिस की सोनिका बनीं मिसाल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतियोगिता के दौरान किसी को भी उनकी गर्भावस्था का अंदाजा नहीं था, क्योंकि सोनिका ने ढीले कपड़े पहने हुए थे। जब उनके पति ने बेंच प्रेस के बाद उनकी मदद की, तब भी किसी को कुछ संदेह नहीं हुआ। सच्चाई तब सामने आई जब सोनिका ने अपना आखिरी डेडलिफ्ट (145 किग्रा) पूरा किया। इसके बाद दर्शकों ने उनका तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया और महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें बधाई दी। ऑल इंडिया पुलिस वेटलिफ्टिंग क्लस्टर 2025-26 में दिल्ली पुलिस की कॉन्स्टेबल सोनिका यादव ने प्रेरणादायक मिसाल पेश की। सात महीने की गर्भवती होने के बावजूद, उन्होंने कुल 145 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। सोनिका ने प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 125 किग्रा स्क्वॉट, 80 किग्रा बेंच प्रेस, और 145 किग्रा डेडलिफ्ट उठाए।

देश के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं सोनिका

गर्भावस्था के बावजूद उनकी इस उपलब्धि ने न केवल पुलिस बल बल्कि पूरे देश को प्रेरित किया है। मई में जब सोनिका को अपनी गर्भावस्था का पता चला, तब सबको लगा कि वह अपनी ट्रेनिंग रोक देंगी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। डॉक्टरों की निगरानी में उन्होंने अपना वर्कआउट जारी रखा और अपनी फिटनेस व खेल दोनों के प्रति समर्पण बनाए रखा। प्रतियोगिता के दौरान किसी को भी उनकी गर्भावस्था का अंदाजा नहीं था, क्योंकि सोनिका ने ढीले कपड़े पहने हुए थे। जब उनके पति ने बेंच प्रेस के बाद उनकी मदद की, तब भी किसी को कुछ संदेह नहीं हुआ। सच्चाई तब सामने आई जब सोनिका ने अपना आखिरी डेडलिफ्ट (145 किग्रा) पूरा किया। इसके बाद दर्शकों तालियों बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया और महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें बधाई दी।

लूसी मार्टिन्स से मिली प्रेरणा

तैयारी के दौरान सोनिका ने अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर लूसी मार्टिन्स से प्रेरणा ली, जो गर्भावस्था में भी प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं। सोनिका ने उनसे इंस्टाग्राम पर संपर्क कर सलाह और मोटिवेशन प्राप्त किया। 2014 बैच की यह अधिकारी इस समय कम्युनिटी पुलिसिंग सेल में तैनात हैं। इससे पहले, वे मजनू का टीला क्षेत्र में बीट ऑफिसर के रूप में एंटी-ड्रग जागरूकता अभियानों में अहम भूमिका निभा चुकी हैं। उनके समर्पण और साहस को पहले भी सराहा गया है। 2022 में दिल्ली पुलिस आयुक्त ने उन्हें सम्मानित किया था और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी महिला दिवस पर उनकी हिम्मत और लगन की तारीफ की थी। आंध्र प्रदेश में जब सोनिका ने 145 किलो का डेडलिफ्ट पूरा किया और पदक जीता, तब उनकी गर्भावस्था का खुलासा होते ही दर्शक दंग रह गए। सोनिका ने अपनी सफलता का श्रेय हिम्मत और निरंतरता को देते हुए कहा कि अगर जज्बा हो तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती, गर्भावस्था भी नहीं।

विश्व बॉक्सिंग कप **विश्वकप में जीतीं तो जैस्मिन-मीनाक्षी बनेंगी नंबर एक**

निकहत हासिल करेंगी पुराना दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह की मानें तो हाल ही में लिवरपूल में विश्व चैंपियन बनने वाली जैस्मिन (57) और मीनाक्षी हुड्डा (48) अगर विश्वकप फाइनल्स में विजेता बनती हैं तो दोनों अपने भार वर्गों में दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बन जाएंगी।

पेरिस ओलंपिक के बाद से पूर्व विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51) के लिए मुक्केबाजी के रिंग में वापसी आसान नहीं रही है। विश्व चैंपियनशिप में वह कोई कमाल नहीं दिखा सकीं, लेकिन अपने घर में होने जा रहा विश्वकप फाइनल्स सिर्फ उनके लिए ही नहीं बल्कि 2023 की विश्व चैंपियन स्वीटी के लिए भी वापसी का बड़ा मंच बनने जा रहा है। 14 नवंबर से ग्रेटर नोएडा शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में होने वाले इस टूर्नामेंट को निकहत और स्वीटी ने स्वर्णिम लक्ष्य बनाया है। स्वीटी तो दो वर्ष पूर्व विश्व चैंपियन बनने के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शिरकत करने जा रही हैं। वह भी अपने पुराने भार वर्ग 75 किलो में। इस टूर्नामेंट में मेजबान होने के नाते भारत पुरुष और महिलाओं के सभी 10-10 भार वर्गों में अपने मुक्केबाज उतारने जा रहा है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह की मानें तो हाल ही में लिवरपूल में विश्व चैंपियन बनने वाली जैस्मिन (57) और मीनाक्षी हुड्डा (48) अगर विश्वकप फाइनल्स में विजेता बनती हैं तो दोनों अपने भार वर्गों में दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बन जाएंगी।

महिला विश्व कप

भारत के खिलाफ वापसी कर सकती है एलिसा हीली, पास किया फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले हफ्ते इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान काफ इंजरी के कारण पिछले दो लीग स्टेज मैच से बाहर रहने वाली ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलिसा हीली भारत के खिलाफ वापसी कर सकती है। गुरुवार को मुंबई में हीली ने अच्छी रिकवरी करते हुए फिटनेस टेस्ट पास कर लिया। इसके बाद उन्होंने विकेट-कीपिंग ड्रिल में हिस्सा लिया और फिर एक फुल नेट सेशन किया,वेबसाइट के अनुसार नेट बॉलर्स के खिलाफ बड़े शॉट मारते देखा गया। इंदौर में दक्षिण अफ्रीका पर ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद हेड कोच शेली निट्स्के ने उम्मीद जताई थी कि हीली सेमीफाइनल से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 विकेट से जीत के बाद निट्स्के ने कहा था, वह आज रात पूरी तरह फिट नहीं थीं, लेकिन उनका असेसमेंट जारी रहेगा। हम सेमीफाइनल के लिए बहुत उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन उससे पहले अभी कुछ दिन बाकी हैं। हम फिर से उम्मीद कर रहे हैं, जैसे-जैसे हम उसके करीब पहुंचेंगे, उनका असेसमेंट जारी रहेगा। हीली डिफेंडिंग चैंपियन के लिए शानदार फॉर्म में रही हैं, उन्होंने वर्ल्ड कप में अब तक सिर्फ चार पारियों में 98 की औसत और 131.25 के स्ट्राइक-रेट से 294 रन बनाए हैं।

क्लच शतरंज चैम्पियन शोडाउनः

गुकेश नें किया नाकामुरा से हिसाब बराबर बनाई एकल बढ़त

सेंट लुईस यूएसए, एजेंसी। यूएसए शतरंज की राजधानी सेंट लुईस में क्लच शतरंज चैम्पियन शोडाउन में दुनिया के चार दिग्गज खिलाड़ी वर्तमान विश्व चैम्पियन भारत के डी गुकेश , पाँच बार के पूर्व विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मैगनस कार्लसन , दुनिया के वर्तमान नंबर 2 और नंबर 3 खिलाड़ी यूएसए के हिकारु नाकामुरा और फबियानो करूआना के बीच

मुकाबला शुरू हो गया है और अपने सभी आलोचको को करारा जबाब देते हुए गुकेश नें पहले दिन के खेल के बाद एकल बढ़त हासिल कर ली है । विश्व चैंपियनशिप डी गुकेश नें पहले दिन खेले गयी छह रैपिड बाजियों में 3 जीत 2 ड्रॉ और एक हार के साथ सर्वाधिक 4 अंक बनाते हुए एकल बढ़त हासिल कर ली है । गुकेश नें इस दौरान कार्लसन से 0.5 -1.5 , नाकामुरा से 1.5-0.5 और करूआना से 2-0 का परिणाम हासिल किया । कार्लसन के खिलाफ गुकेश पहली बाजी ही जीतने के बेहद करीब पहुँच गए थे पर अंत में टाइम प्रेसर में खेल हार गए और उनकी दूसरी बाजी बेनतीजा रही पर उसके बाद गुकेश नें शानदार वापसी की ।

श्रेयस अय्यर की हालत स्थिर

बीसीसीआई ने क्रिकेटर की इंजरी पर दी अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए वनडे सीरीज के तीसरे मैच में कैच लपकने के दौरान इंजर्ड हो गए थे। इंजरी गंभीर थी और उन्हें कुछ समय के लिए आईसीयू में रखा गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अय्यर की इंजरी पर अपडेट दिया है और उनकी स्थिति को स्थिर बताया है। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, श्रेयस अय्यर के पेट में गंभीर चोट लगी थी, जिसकी वजह से उन्हें आंतरिक रक्तस्राव भी हुआ था।

चोट की तुरंत पहचान कर ली गई। इलाज के बाद रक्तस्राव तुरंत बंद हो गया। उनकी हालत अब स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। मंगलवार को दोबारा किए गए स्कैन में उनकी इंजरी में काफी सुधार दिखा है। बोर्ड की मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के परामर्श से, उनकी प्रगति पर नजर रखेगी।

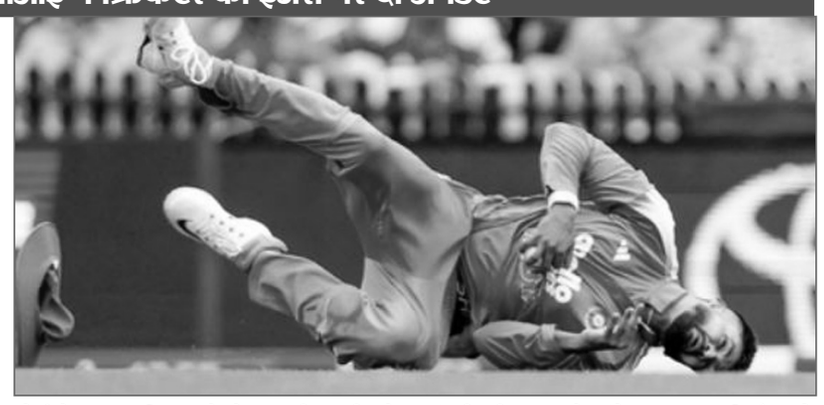

बोर्ड ने बताया कि पहले श्रेयस की इंजरी को पसलियों की समस्या माना जा रहा था, लेकिन इंजरी अनुमान से ज्यादा गंभीर थी। स्कैन में तिल्ली में चोट का पता चला है, जिसके कारण अय्यर को सिडनी के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। अय्यर अब आईसीयू से बाहर हैं। श्रेयस अय्यर पूर्व में भी इंजरी की वजह से लंबे समय तक क्रिकेट से बाहर रहे हैं। उम्मीद है, इस इंजरी से वे जल्द ही रिकवर करेंगे और क्रिकेट के मैदान पर वापस आएंगे। अय्यर फिलहाल सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते नजर आते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वह ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हुए थे।

कोहली कब लेंगे वनडे और आईपीएल से रिटायरमेंट?

एबी डिविलियर्स ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने विराट कोहली के क्रिकेट भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप कोहली के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी टूर्नामेंट साबित हो सकता है। हालांकि, डिविलियर्स का यह भी कहना है कि कोहली आईपीएल में कई साल तक खेलते रह सकते हैं। कोहली हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में खेले, जहां शुरुआती दो मैचों में वह लगातार डक पर आउट हुए, लेकिन तीसरे वनडे में उन्होंने 74 रनों की नाबाद पारी खेलकर भारत को 9 विकेट से जीत दिलाई।

डिविलियर्स का कोहली पर बयान

एबी डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मेरे हिसाब से 2027 वर्ल्ड कप विराट कोहली का आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। लेकिन आईपीएल अलग बात है – वहां वह अगले तीन, चार या पांच साल तक खेल सकते हैं। आईपीएल में तैयारी के लिए सिर्फ दो-तीन महीने चाहिए होते हैं, जबकि वर्ल्ड कप की तैयारी चार साल की होती है, जो शरीर और मानसिक संतुलन दोनों पर असर डालती है।

उन्होंने यह भी कहा, कोहली ने खेल को हमेशा के लिए बदल दिया है। अब वक्त है कि हम उन्हें सेलिब्रेट करें। चाहे वह पांच साल और खेलें या कल ही संन्यास लें – उन्हें पूरा समर्थन मिलना चाहिए। गैर है कि विराट कोहली अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में नजर आएंगे, जो 30 नवंबर से रांची में शुरू होगी।

न्यूज डायरी

धीरपुर, कुरुक्षेत्र में अंतर्देशीय कंटेनर डिपो की अधिसूचना

नई दिल्ली/कुरुक्षेत्र – धीरपुर, कुरुक्षेत्र स्थित बहुप्रतीक्षित अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) को भारत के राजपत्र में आधिकारिक रूप से अधिसूचित कर दिया गया है, जो हरियाणा के लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढाँचे के नेटवर्क के विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

इस अधिसूचना के साथ, धीरपुर आईसीडी अब प्लांट क्वारंटाइन (भारत में आयात का विनियमन) आदेश, 2003 की अनुसूची II के तहत 89 आधिकारिक रूप से अधिसूचित अंतर्देशीय कंटेनर डिपो में शामिल हो गया है।

उत्तर भारत में कुशल माल परिवहन की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से विकसित, आईसीडी एक महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में कार्य करेगा—आयात-निर्यात संचालन, सीमा शुल्क निकासी, कंटेनर हैंडलिंग और भंडारण को सुविधाजनक बनाएगा—जिससे कुरुक्षेत्र और आसपास के जिलों के व्यापारियों, निर्माताओं और कृषि उत्पादकों को लाभ होगा।

धीरपुर आईसीडी की मुख्य विशेषताएँ:

रणनीतिक स्थान: सड़क और रेल नेटवर्क दोनों के माध्यम से उत्कृष्ट कनेक्टिविटी

व्यापक रसद सेवाएँ: आयात/निर्यात कार्गो हैंडलिंग और बॉन्डेड वेयरहाउसिंग की सुविधाएँ

एकीकृत सीमा शुल्क निकासी: तेज़ प्रसंस्करण और दस्तावेज़ीकरण के लिए ऑन-साइट सीमा

शुल्क आधुनिक बुनियादी ढाँचा: कंटेनर भंडारण और हैंडलिंग के लिए उन्नत सुविधाएँ

व्यापार सुविधा: गेटवे बंदरगाहों पर भीड़भाड़ कम होने और क्षेत्रीय व्यापार में तेज़ी आने की उम्मीद

यह विकास भारत सरकार के रसद बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने, आपूर्ति श्रृंखला दक्षता में सुधार लाने और उन्नत व्यापार सुविधा के माध्यम से क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप है।

महापौर कुलभूषण गोयल ने किया झूरीवाला और सेक्टर-23 डंपिंग ग्राउंड का निरीक्षण

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। महापौर कुलभूषण गोयल ने बुधवार को शहर में कूड़ा प्रबंधन और प्रोसेसिंग की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने पार्षदों और अधिकारियों के साथ सबसे पहले झूरीवाला साइट का दौरा किया, जहां शहर का रोजाना कूड़ा एकत्र किया जाता है और उसके बाद अंबाला के पटवी प्लांट में भेजा जाता है। निरीक्षण के दौरान महापौर ने पाया कि पुराना कूड़ा पूरी तरह हटा दिया गया है और अब साइट पर केवल रोजाना का ताजा कूड़ा ही पहुंच रहा है, जिसे समय पर उठाकर प्रोसेसिंग के लिए भेजा जा रहा है। उन्होंने यह भी देखा कि कूड़े से प्लास्टिक, गत्ता और अन्य रिसाइक्लेबल सामान अलग किया जा रहा है।

महापौर गोयल ने संतोष जताते हुए कहा कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कूड़े का रोजाना उठान और प्रोसेसिंग अनिवार्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी क्षेत्र में कूड़े के ढेर न लगने पाएं और प्रोसेसिंग कार्य में और तेजी लाई जाए। इसके बाद महापौर ने सेक्टर-23 डंपिंग ग्राउंड का निरीक्षण किया, जहां पुराने कूड़े की प्रोसेसिंग का कार्य पूजा कंसुलेशन कंपनी द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल में इस कूड़े को निस्तारित करने के लिए दो बार टेंडर जारी किए गए। पहले टेंडर के तहत 3.10 लाख टन कूड़ा प्रोसेस किया जा चुका है, जबकि नए टेंडर के अनुसार 1.72 लाख टन कूड़ा निस्तारित किया जाना है। नए टेंडर में अब तक 45,000 टन कूड़ा प्रोसेस हो चुका है और शेष 1.25 लाख टन का कार्य जारी है। महापौर ने कहा कि अब बारिश का मौसम खत्म हो चुका है, इसलिए प्रोसेसिंग की गति बढ़ाई जानी चाहिए ताकि नागरिकों को पूरी तरह राहत मिल सके। पार्षद सोनिया सूद, रितु गोयल, उमेश सूद, सुखबीर सिंह पुनिया और अन्य पार्षदों ने कहा कि महापौर कुलभूषण गोयल के नेतृत्व में सेक्टर-23 और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को वर्षों पुरानी कूड़े की समस्या से राहत मिली है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में पुराने कूड़े के पहाड़ को खत्म करने का सपना साकार हो रहा है।

सेवा भावना से मजबूत होती है सामाजिक व्यवस्था : डॉ. अरविंद शर्मा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के सहकारिता, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार सेवा भावना के लक्ष्य के साथ गरीब, वंचित और पात्र परिवारों के उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि सामाजिक व धार्मिक संगठनों के साथ-साथ समाजसेवियों की सेवा भावना से सामाजिक व्यवस्था और अधिक मजबूत होती है। हमें निरंतर यह प्रयास करना चाहिए कि जरूरतमंद व्यक्ति केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ अवश्य उठाएं।

मंगलवार देर शाम सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा गोहाना में निजी संस्था द्वारा आयोजित एक सामाजिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 300 से अधिक पात्र महिलाओं को कुल 13 लाख रुपये की राशि के पेंशन चैक वितरित किए।

डॉ. शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय विचार को दृढ़ता से आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार ने सामाजिक सुरक्षा भत्ता को 3000 रुपये से बढ़ाकर 3200 रुपये मासिक करने की घोषणा की है, जो नवंबर से पात्र लाभार्थियों को प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि सेवा भावना की भावना से ही समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाया जा सकता है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से पात्र परिवारों को न केवल मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से भी सशक्त बनाया जा रहा है। इस दिशा में सामाजिक व धार्मिक संगठनों की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने समाजसेवी विजय कत्याल और उनके परिवार की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतने वर्षों से वे विधवाओं और पात्र परिवारों को पेंशन वितरण में जो सहयोग कर रहे हैं, उससे अनेक परिवारों को राहत मिली है।

हमेशा किसानों के साथ खड़ी है हरियाणा सरकार : कृषि मंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार प्रदेश के किसानों के साथ खड़ी है और लगातार किसानों की भलाई के कार्य कर रही है। प्रदेश की मंडियों में एमएसपी पर फसलों का दाना-दाना खरीदा जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि फसल खरीद के दौरान किसी भी किसान को परेशानी का सामना ना करना पड़े।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा आज चरखी दादरी में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कृषि मंत्री ने समिति के समक्ष रखी गई कुल 16 शिकायतों में से 8 का मौके पर ही समाधान करवाया और 8 शिकायतों के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। पत्रकारों से बात करते हुए श्री राणा ने कहा कि राज्य सरकार लगातार किसानों की भलाई के कार्य कर रही है। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से कल्याणकारी योजनाएं भी लागू की गई हैं। सरकार की योजना के अनुसार जल्द ही भावांतर भरपाई योजना की राशि जारी कर दी जाएगी।

भाजपा सरकार की बेहतर खेल नीतियों के कारण खेलों में नंबर-1 है हरियाणा : पंडित मोहन लाल बड़ौली

- नायब सरकार की खेल नीति के परिणामस्वरूप हरियाणा देश का सबसे ज्यादा मेडल जीतने वाला प्रदेश बना : पंडित मोहन लाल बड़ौली
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने अलग-अलग कार्यक्रमों में पहुंचकर खिलाड़ियों को सम्मानित किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। तीसरे एशियन यूथ गेम्स में गोल्ड मेडल लाने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए आज अलग-अलग स्थानों पर सम्मान समारोह आयोजित किए गए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली सम्मान समारोह में शामिल हुए और खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस मौके पर श्री बड़ौली ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम में संगठन मंत्री फणींद्रनाथ शर्मा, जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, जिला प्रभारी सतेंद्र परमार, वाईस कैप्टन हर्ष मान आदि मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली बुधवार को रोहतक के लाखन माजरा, सांघी पहुंचे। यहां उन्होंने गोल्ड मेडल लाने वाले ईशांत राठी, दीक्षा राठी और आदित्य हुड्डा सहित दीपक हुड्डा को भी सम्मानित किया। इस मौके पर श्री बड़ौली ने एशियन यूथ गेम्स में गोल्ड मेडल लाने वाले रिन्ढाणा के अखिल नरवाल को भी सम्मानित किया। श्री बड़ौली ने सभी खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल लाने की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि हरियाणा की खेल नीति देश मे सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि ये भाजपा सरकार की खेल नीतियों का परिणाम है कि हमारे खिलाड़ी देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। श्री बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बनाई गई खेल नीति के परिणामस्वरूप हरियाणा आज देश का सबसे ज्यादा मेडल जीतने वाला प्रदेश बन गया है। नायब सरकार द्वारा खिलाड़ियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि भी देश में सबसे अधिक है, जिस से युवाओं का उत्साह और बढ़ा है।

श्री बड़ौली ने कहा कि हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का नाम लगातार रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नायब सरकार की कारगर योजनाओं की बदौलत आज हमारे खिलाड़ी विदेशों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर बच्चे को खेल से जोड़ने, हर गांव में खेल का मैदान बनाने और हर युवा को अवसर देना है।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि आज हमें गर्व है कि हमारे खिलाड़ी अपने सपने को तो साकार कर ही रहे हैं साथ ही देश व प्रदेश के लिए मेडल भी ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन अन्य खिलाड़ियों को प्रेरित करता है। श्री बड़ौली ने इस मौके पर युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे खुद भी नशे से दूर रहें और अपने साथियों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि ऊर्जा को सही दिशा में लगाने वाले युवा को जीवन में सफलता जरूर मिलती है।

नगर निगम अधीक्षण अभियंता रोड के धर्मेंद्र शर्मा को पब्लिक हैल्थ अतिरिक्त कार्यभार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य अभियंता सी बी ओझा नगर निगम का मुख्य अभियंता का अतिरिक्त कार्य भार भी देखेंगे इस से पहले संजय अरोड़ा मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता का कार्य भार भी देख रहे थे पिछले 1 साल से पब्लिक हैल्थ के अधीक्षण अभियंता की सीट खाली पड़ी थी और उनके जाने के बाद सीट फिर खाली हो गई जिस के विभाग से पैनल मंगवाए गए किसी कारण सिरे नहीं चढ़ पाया जिससे पब्लिक हैल्थ के अधिकारियों को कार्य करवाने में काफी दिक्कतें आ रही थी जिसको देखते हुए आयुक्त अमित कुमार ने रोड के अधीक्षण अभियंता धर्मेंद्र शर्मा को पब्लिक हेल्थ विभाग का कार्य भार सौंपा।

मंडियों में धान की आमद 100 लाख मीट्रिक टन से पार; 97 लाख मीट्रिक टन की हुई खरीद

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब की मंडियों में धान की आमद 100 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) के आंकड़े को पार कर गई है, जिनमें से 97 एलएमटी से अधिक फसल की खरीद की जा चुकी है। फसल की तेज़ी से खरीद को मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की किसान-हितैषी नीतियों का प्रमाण बताते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले के मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने कहा कि मंडियों में आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

विकास, विश्वास और सशक्त नेतृत्व ही बिहार का भविष्य : नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने सभी मतदाताओं से आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा उम्मीदवार विशाल प्रशांत को भारी मतों से विजयी बनाएं और डबल इंजन की सरकार को और मजबूत करें। जनसभा में भारी संख्या में उपस्थित जनसैलाब ने भाजपा उम्मीदवार के प्रति अपना जबरदस्त उत्साह और समर्थन प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। सड़कों, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने बिहार के विकास की रफ्तार को दोगुना कर दिया है। सैनी ने कहा कि बिहार की विकास दर आज 14 प्रतिशत से अधिक है, जो देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने लगातार बिहार को आर्थिक मदद उपलब्ध करवाकर प्रदेश में विकास की गति को तेजी प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक न्याय को केवल भाषणों में नहीं, बल्कि धरातल पर उतारा गया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता की सर्वोत्तम मिसाल बिहार की धरती पर दिखती है।

सैनी ने कहा कि बिहार सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार हर घर की महिला को 'लखपति दीदी' बनाने के लक्ष्य पर काम कर रही है। वर्ष 2005 में जहां केवल 6 मेडिकल कॉलेज थे, अब उनकी संख्या 15 हो चुकी है। इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या 3 से बढ़कर 38 हो गई है और स्टार्टअप्स की संख्या बढ़कर 1500 से अधिक हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मखाना को 'सुपरफूड' का दर्जा देकर बिहार को वैश्विक पहचान दी है। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष के पास न विकास का एजेंडा है, न ईमानदारी का संकल्प। उनके पास केवल वंशवाद, भ्रष्टाचार और झूठे आरोप हैं जबकि भाजपा जनसेवा और विकास की राजनीति करती है। जनसभा में पहुंचने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जोरदार स्वागत किया गया।

महापौर कुलभूषण गोयल ने सीसीएमएस पैनल का किया निरीक्षण, 20 नवंबर तक घग्गर पार सेक्टरों में कार्य पूरा करने के निर्देश

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला में स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम को स्मार्ट और आधुनिक बनाने की दिशा में कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। महापौर कुलभूषण गोयल ने बुधवार को सेक्टर-17 सामुदायिक केंद्र में केंद्रीय नियंत्रण और निगरानी प्रणाली (सीसीएमएस) पैनल का निरीक्षण किया।

नगर निगम पंचकूला को अब तक 255 सीसीएमएस पैनल प्राप्त हो चुके हैं, जिन पर करीब ढाई करोड़ रुपये की लागत आई है। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 20 नवंबर तक घग्गर पार सेक्टरों में कार्य पूर्ण किया जाए और 31 दिसंबर तक पूरे शहर में इंस्टॉलेशन पूरा कर लिया जाए। अधिकारियों ने बताया कि शहर में अब तक 14,000 एलईडी लाइटें लग चुकी हैं, जबकि लगभग 2000 लाइटें लगनी बाकी हैं। इसके अलावा पार्कों और मार्केटों में 1000 हाईमास्ट लाइटें लगाई जा चुकी हैं और 4500 पोस्ट-टॉप लैटर्न इंस्टॉल किए गए हैं।

महापौर गोयल ने बताया कि शहर में 5.50 करोड़ रुपये की लागत से बिजली के तारों के प्रतिस्थापन, डार्क स्पॉट्स पर नए पोल लगाने और स्वचालित कंप्यूटरीकृत नियंत्रण प्रणाली स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि जगह-जगह फॉल्ट आने के कारण पुरानी केबलों को बदला जा रहा है, ताकि भविष्य में किसी भी क्षेत्र में अंधेरा न रहे। "दिव्य नगर योजना" के तहत आईटी-आधारित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की जा रही है, जो पूरे शहर की स्मार्ट लाइटिंग सिस्टम की निगरानी करेगा। सीसीएमएस पैनल इंस्टॉल होने के बाद सभी स्ट्रीट लाइट्स को एकीकृत सिस्टम से संचालित किया जा सकेगा।

गोयल ने बताया कि प्रत्येक पैनल में पूर्व निर्धारित समय फीड कर दिया जाएगा, जिसके अनुसार लाइटें स्वचालित रूप से ऑन और ऑफ होंगी। उदाहरण के तौर पर, यदि शाम 6 बजे लाइटें चालू होंगी तो वे सुबह 5 या 6 बजे स्वचालित रूप से बंद हो जाएंगी। सर्दी-गर्मी के मौसम के अनुसार टाइमिंग को एडजस्ट किया जाएगा। महापौर ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य पंचकूला को पूरी तरह रोशन और सुरक्षित शहर बनाना है। सीसीएमएस प्रणाली के माध्यम से किसी भी खराब लाइट या फॉल्ट की रियल टाइम जानकारी मिल जाएगी।

सरदार@150 के माध्यम से एम.सी.एम. ने एकता और राष्ट्र निर्माण के प्रतीक लौह पुरुष को दी श्रद्धांजलि

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के एन.एस.एस. इकाइयों और राजनीति विज्ञान विभाग ने 'सरदार@150' पहल के अंतर्गत सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

कार्यक्रमों की शुरुआत राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी से हुई, जो सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और उनके योगदान पर आधारित थी। इस प्रश्नोत्तरी का उद्देश्य प्रतिभागियों को पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व और देशी रियासतों के एकीकरण में उनकी निर्णायक भूमिका से परिचित कराना था, साथ ही युवाओं को एकता, सत्यनिष्ठा और राष्ट्र निर्माण के उनके अमर आदर्शों से प्रेरित करना था।

इसके पश्चात एक 'पद यात्रा' आयोजित की गई, जो राष्ट्रीय एकता और सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक थी। इस यात्रा में उत्साही एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने भाग लिया और प्रेरणादायक नारों के माध्यम से समकालीन भारत में सद्भाव, एकजुटता और देशभक्ति के शाश्वत मूल्यों का संदेश दिया।

दिन का समापन इतिहास विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. नेहा शर्मा के विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ हुआ। अपने संबोधन में डॉ. शर्मा ने सरदार पटेल के अद्वितीय नेतृत्व, उनकी दूरदर्शी नीतियों और भारत के एकीकरण में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को सरदार पटेल के साहस, निःस्वार्थ सेवा और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए सरदार पटेल की आधुनिक भारत के निर्माण में निभाई गई निर्णायक भूमिका पर बल दिया।

हरियाणा में औद्योगिक विकास को नई उड़ान : पंचकूला में 13.59 करोड़ रुपये से बना ग्लोबल इंटरफ़ेस फॉर ट्रेड फैसिलिटेशन-'गिफ्ट सेल'

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार अब उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। इसी दिशा में सोमवार को मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और अवसंरचना विकास से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य छोटे और मध्यम उद्यमों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना और निवेशकों के लिए हरियाणा को सबसे आकर्षक गंतव्य बनाना है।

हरियाणा सरकार ने ग्लोबल इंटरफ़ेस फॉर ट्रेड फैसिलिटेशन (वैश्विक व्यापार सुगमता केंद्र) (गिफ्ट सेल) के नाम से पंचकूला में एक समर्पित केंद्र की स्थापना की है, जिस पर 13 करोड़ 59 लाख रुपये की राशि खर्च की गई है। यह केंद्र रैम्प योजना (आरएएमपी) के अंतर्गत बनाया गया है और इसमें 8 विशेषज्ञ अधिकारी नियुक्त किए गए हैं जो राज्य के छोटे और मध्यम उद्यमों को निर्यात, गुणवत्ता प्रमाणन और वैश्विक बाजार में विस्तार की दिशा में सहायता प्रदान कर रहे हैं।इन विशेषज्ञों की टीमें अंबाला, फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी कार्यरत हैं, जो स्थानीय उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भाग लेने और विदेशी खरीदारों से संपर्क स्थापित करने में मदद कर रही हैं। यह पहल हरियाणा के छोटे उद्योगों को सीमाओं से बाहर ले जाकर वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हो रही है।

हरियाणा की क्लस्टर 'प्लग एंड प्ले' योजना ने राज्य के औद्योगिक विकास में नई ऊर्जा भर दी है। इस योजना के तहत उद्यमियों को तैयार कारखाना शेड, बिजली, पानी, सड़क और सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उद्योग शुरू करने की प्रक्रिया बेहद आसान हो गई है।अब तक 64 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है, जिन पर 318 करोड़ 49 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया है। योजना को 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ा दिया गया है। इसके तहत राज्य सरकार परियोजना लागत का 50 प्रतिशत (अधिकतम 5 करोड़ रुपये) तक का सहयोग देती है।मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने कहा कि यह मॉडल "उद्योगों के लिए तत्काल प्रस्थान मंच" की तरह काम कर रहा है, जिससे छोटे और मध्यम उद्योगों को गति मिली है और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

राज्य सरकार का लक्ष्य केवल शहरों तक सीमित नहीं है। एमएसएमई उन्नति के लिए त्वरित विकास कार्यक्रम (पद्मा योजना) के तहत हरियाणा के 143 प्रखंडों में लघु औद्योगिक पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। प्रत्येक पार्क में कम से कम 10 'प्लग एंड प्ले' शेड होंगे जिनमें साझा सुविधाएं और आधुनिक ढांचा उपलब्ध होगा।अब तक 16 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 7 परियोजनाओं को अंतिम मंजूरी और 3 को प्रारंभिक स्वीकृति दी जा चुकी है। छोटे शहरों में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार नई व्यापक नीति भी तैयार कर रही है, जिससे द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।मुख्य सचिव ने इसे "हरियाणा की ग्रामीण औद्योगिक क्रांति" बताते हुए कहा कि इससे छोटे कस्बों और गांवों में रोजगार और उद्यमिता दोनों को मजबूती मिलेगी।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त-सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने जानकारी दी कि राज्य सरकार ने 14 अधिनियमों के अंतर्गत 1,113 अनुपालन समाप्त किए हैं और 37 छोटे प्रावधानों को अपराध मुक्त किया गया है। इससे उद्योग जगत को राहत मिली है और कारोबारी वातावरण और अधिक पारदर्शी हुआ है।इसके अलावा 842 व्यवसाय-संबंधी और 271 नागरिक-संबंधी नियमों को भी सरल किया गया है। लक्ष्य है कि दिसंबर 2025 तक कुल 1,500 नियमों में कटौती की जाए। इसके लिए 27 अगस्त 2025 को 'नियमन समाप्ति समिति' गठित की गई थी, जो प्रशासनिक सुधारों में अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाने पर कार्य कर रही है। 'हरियाणा कैबिनेट ने हरियाणा जन विश्वास विधेयक, 2025' मंजूरी दे दी हैं , जिसके तहत छोटे नियम उल्लंघनों पर जेल के बजाय आर्थिक दंड का प्रावधान होगा। इससे सरकार और उद्योगों के बीच भरोसे का रिश्ता और मजबूत होगा।

राज्य के सभी 100 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं अब प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल के माध्यम से योजना और निगरानी के अधीन लाई गई हैं। अब तक 55 विभागों के अधिकारी प्रशिक्षित किए जा चुके हैं और दिसंबर 2025 तक 10 बड़ी परियोजनाओं को इस मंच पर लागू करने का लक्ष्य रखा गया है।इससे बिजली, परिवहन और भंडारण व्यवस्था से जुड़े विभागों के बीच समन्वय मजबूत हुआ है और परियोजनाओं की गति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार ने कई प्रभावी कदम उठाए हैं। वर्तमान में 33 महिला थाने, 200 महिला सहायता डेस्क और हर जिले में दुर्गा शक्ति त्वरित कार्रवाई बल कार्यरत है।

"दुर्गा शक्ति एप" को "डायल 112" से जोड़ा गया है जिससे आपात स्थिति में संकेत मिलते ही गश्ती वाहन तुरंत मौके पर पहुंच जाता है।वहीं युवाओं के कौशल विकास के लिए हरट्रॉन (हरियाणा राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम) द्वारा 86 उन्नत कौशल केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 62 संचालित हैं। यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, क्लाउड कंप्यूटिंग और बड़े आंकड़ा विश्लेषण जैसी आधुनिक तकनीकों की प्रशिक्षण दी जा रही है। हर वर्ष लगभग 25,000 युवाओं को इससे लाभ मिलेगा।राज्य में अब तक 8,800 से अधिक उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) में पंजीकृत स्टार्टअप कार्यरत हैं, जिनमें 45 प्रतिशत महिला उद्यमियों द्वारा संचालित हैं।